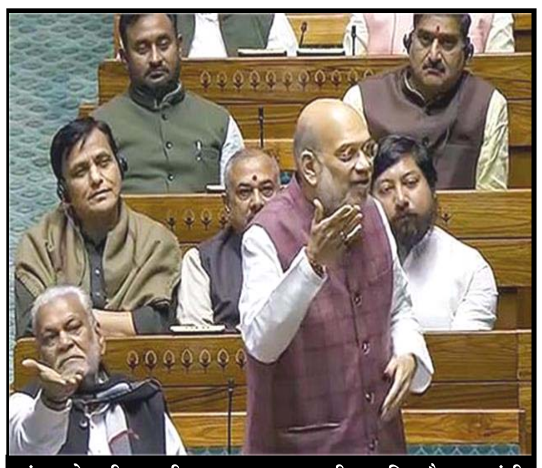

संसद के शीतकालीन सत्र का आज तीसरा दिन है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि मैं जो विधेयक (जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक 2023) लेकर आया हूं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः28 अंकः353 दिनांकः 07-12-2023 गुरूवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड को लेकर जयपुर मे चल रहा प्रदर्शन खत्म हो गया है। प्रशासन ने उनकी मांगों को मान लिया है, जिसे देखकर शुक्रवार को गोगामेड़ी का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

नेहरू की गलती से बना पीओके, वर्ना भारत का होता हिस्सा : शाह

-लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह का बयान

-लोगों को खटक गया 370 का हटना

-गरीब के घर पैदा हुए और बने प्रधानमंत्री इसलिए गरीबों का दर्द जानते हैं मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाया जाना कुछ लोगों को खटक गया है। उन्होंने पेश करने के बाद चर्चा की गई बिलों के संबंध में कहा कि जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन अधिनियम और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक सत्तर वर्षों से अपमानित और अन्याय सहने वालों को न्याय दिलाने काबिल है।

सदन में गृह मंत्री शाह ने कहा, कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाना कुछ लोगों को खास खटक गया हैं उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक 2023 सत्तर वर्षों से जो अपमानित हुए, जिन पर अन्याय हुआ और जिनकी अनदेखी की गई उनको न्याय दिलाने वाला बिल हैं इसके साथ शाह ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जिक्र करते हुए कहा, कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की समस्या पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की वजह से उत्पन्न हुई पूरा कश्मीर भारत में मिलाए बिना ही सीजफायर कर लिया था वर्ना वह हिस्सा भी कश्मीर का हिस्सा होता

बिल के साथ सम्मान जुड़ा

गृह मंत्री शाह ने कहा कि बिल के नाम के साथ सम्मान जुड़ा है, इसे वही लोग देख पा रहे हैं, जो अपने से पीछे रह गए लोगों की अंगुली पकड़कर संवेदना के साथ उन्हें आगे बढ़ाना चाह रहे हैं इसे वो लोग नहीं समझ सकते, जो इसका उपयोग वोटबैंक की खातिर करते हैं उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ऐसे नेता हैं, जो गरीब के घर में पैदा हुए और देश के प्रधानमंत्री बने, वो पिछड़ों और गरीबों का दर्द भलिभांति जानते हैं वहीं शाह ने विरोधियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 370 हटाने से कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी, खून की नदियां तो छोड़ो, किसी की पत्थर चलाने तक की हिम्मत नहीं हुई उन्होंने कहा कि एक देश का एक ही निशान और एक ही झंडा होना चाहिएं

कश्मीरी पंडितों का दर्द छलका

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि 1980 के दशक के बाद आतंकवाद का जो दौर आया वह बड़ा भयावह थीं जो लोग इस जमीन को अपना देश समझकर रह रहे थे, उन्हें बाहर निकाल दिया गयां किसी ने उनकी परवाह नहीं कीं जिन लोगों पर इसे रोकने की जिम्मेदारी थी, वे इंग्लैंड में छुट्टियां मना रहे थें जब कश्मीर से कश्मीरी पंडितों को विस्थापित किया गया, तो वो सब अपने ही देश में शरणार्थी के तौर पर रहने को मजबूर हो गएं उन्होंने कहा कि वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक करीब 46,631 परिवार और 1,57,968 लोग अपने ही देश में विस्थापित हो गएं यह विधेयक उन्हें अधिकार दिलाने के लिए है, यह विधेयक उन्हें प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए हैं

शाह ने जब चौधरी की चुनौती स्वीकार की

लोकसभा में चर्चा के दौरान एक समय ऐसा भी आया जबकि कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने सरकार को कश्मीर मामले में बहस की चुनौती दे दीं इस पर गृह मंत्री शाह ने समय नहीं लगाया और बोले सरकार को यह चुनौती स्वीकार है, अभी बहस को तैयार हैं दरअसल सांसद अधीर रंजन ने कहा कि मैं चुनौती देता हूं कि एक तारीख तय कर ली जाए और कश्मीर मामले पर नेहरू के योगदान पर बहस हो जाएं इस पर गृह मंत्री शाह ने बगैर वक्त गवाए जवाब देते हुए कहा, कि सरकार को यह चुनौती स्वीकार है और अभी बहस को तैयार हैं

लोकसभा में विवादित टिप्पणी को लेकर हुआ हंगामा, डीएमके सांसद ने मांगी माफी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन भी हंगामा हुआ जिसे देखते हुए सदन की कार्रवाई 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। डीएमके सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में हंगामे के बाद अपने विवादित बयान को लेकर सदन में माफी मांग ली।

लोकसभा की कार्रवाई बुधवार को हंगामे के चलते दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बाद डीएमके सांसद सेंथिल कुमार ने हिंदी बेल्ट को लेकर दी गई विवादित टिप्पणी के लिए सदन में माफी मांगी। सांसद सेंथिल ने कहा, कि अनजाने में मेरे द्वारा दिए गए बयान से अगर कुछ वर्गों की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं इसे वापस लेना चाहूंगा। इन शब्दों को हटाने का मैं अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि उन्हें इसका अफसोस है। इससे पहले डीएमके सांसद के विवादित बयान को लेकर लोकसभा में जोरदार हंगामा हुआ। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। दरअसल सदन में प्रश्नकाल के दौरान डीएमके नेता टीआर बालू पूरक प्रश्न पूछने के लिए खड़े हुए थे, तभी केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने डीएमके सांसद डीएनवी सेंथिल कुमार के हिंदी बेल्ट वाले राज्यों को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर सांसद सेंथिल ने अपने विवादित बयान पर सदन से माफी मांग ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में संशोधन के लिए विधेयक पर विचार करने का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा।

चक्रवात मिगजॉम से जनजीवन प्रभावित...तीन से बिना बिजली, दूध और पानी के रह रहे लोग

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई और उसके आसपास के जिलों में चक्रवात मिगजॉम द्वारा मचाई भारी तबाही के बाद लोगों को जलभराव और बिजली की समस्या से जूझना पड़ा। हालांकि लोकल एजेंसियों के कर्मचारियों ने राहत और पुनर्वास के प्रयास तेज किए हैं। स्टालिन सरकार ने कहा कि कई इलाकों में बिजली के तार पानी में डूबे होने के कारण ''एहतियाती उपाय के तौर पर बिजली आपूर्ति को बहाल नहीं किया गया है। सामान्य स्थिति की बहाली के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। चेन्नई में स्कूल और कॉलेजों की सात दिसंबर को एक और दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई। चक्रवात के असर से हुई भारी बारिश के कारण वेलाचेरी और तांबरम सहित कई इलाकों में बाढ़ आ गई थी। बुधवार को भी लोगों को जलभराव वाले इलाकों में अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाते देखा गया। अपने बच्चों को लेकर लोगों को सड़कों पर घुटनों तक भरे पानी के बीच से गुजरना पड़ा। लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए और अधिक नौकाएं भेजने सहित अन्य मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बारिश प्रभावित कई इलाकों का दौरा किया और शहर के एक राहत केंद्र में आश्रय ले रहे लोगों को भोजन और आवश्यक सामग्री वितरित की।

एक्स पर कई लोगों ने रिहायशी इलाकों में जलभराव के वीडियो साझा कर दावा किया कि कई लोग अपने घरों में फंसे हुए हैं। एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने पोस्ट कर इस बात पर अफसोस जताया कि उनके रिश्तेदार पिछले तीन दिन से बिना बिजली, पानी और दूध के अपने घर में बंद हैं। वेलाचेरी और तांबरम सहित कई अन्य प्रभावित इलाकों में लोग दूध की आपूर्ति में देरी की शिकायत कर रहे हैं और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि दूध को अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। किलपौक और कट्टुपक्कम सहित शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई है।

राज्य सरकार ने कहा कि राहत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है और आधी रात के दौरान भी कई प्रभावित इलाकों में लोगों को नौकाओं के जरिए निकाला गया। स्थानीय एजेंसी ने बताया कि ग्रेटर चेन्नई नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी बचाव और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने बचाव और राहत कार्यों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किये हैं। शहर की पुलिस ने बुधवार को बताया था कि बारिश से संबंधित घटनाओं में छह लोगों की मौत की सूचना मिली है जबकि शहर के विभिन्न इलाकों में पुलिस ने कई लोगों को सुरक्षित निकाला है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि जिन लोगों को बचाया गया उनमें वरिष्ठ नागरिक, गर्भवती महिलाएं और एक महिला तथा उसका नवजात शिशु भी शामिल हैं।

जहां पानी उतर चुका है, वहां सड़कों की सफाई की जा रही है और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) सहित कई कर्मचारी राहत और पुनर्वास के कार्य में जुटे हुये हैं। उन्होंने कहा, ''जलभराव वाले इलाकों में खाने के पैकेट, ब्रेड और दूध की आपूर्ति की जा रही है, जबकि पेरुंबक्कम और वर्धराजपुरम के प्रभावित इलाकों में नौकाएं तैनात की गई हैं, वरिष्ठ अधिकारी राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम बिजली आपूर्ति बहाल कराने के लिए तैयार हैं लेकिन कोई जनहानि नहीं और दुर्घटना नहीं होनी चाहिए। जहां भी बिजली के तार पानी में डूबे हुए हैं, वहां एहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जा रही है। शहर के 1,812 बिजली फीडर में से केवल 95 ही चालू होने बाकी हैं। इस बीच, दूध और डेयरी विकास मंत्री मनो थंगराज ने अधिक कीमत पर दूध बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

इधर गठबंधन बिखरने की खबरें आ रहीं हैं उधर राहुल विदेश जा रहे हैं

नई दिल्ली(ईएमएस)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। इस हार के बाद इंडिया गठबंधन में दरार आने की खबरें चलना शुरु हो गईं। रही सही कसर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कर दी। इन नेताओं से साफ कर दिया कि बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इससे सियासी हवा और अधिक गरमा गई। माना जाने लगा कि इस गठबंधन में घमासान और बढ़ेगा। कई नेताओं ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देना भी शुरु कर दिया। इसी बीच खबर आई है कि राहुल गांधी अपनी छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलयेशिया और वियतनाम जाएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि राहुल की विदेश यात्रा सुनियोजित थी। ऐसे में उनके दौरे पर सवाल नहीं उठना चाहिए। हालांकि विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े सहयोगियों का मानना है कि ऐसे में जब पार्टी के साथ गठबंधन संकट में है, तब उन्हें परिपक्वता का परिचय देते हुए यह यात्रा टाल देनी चाहिए थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंडोनेशिया सहित चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। उनकी विदेश यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। यही नहीं, इसी हफ्ते विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें पार्टी को हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके अलावा विपक्षी गठबंधन इंडिया में जारी अनबन के कारण पार्टी को बुधवार को होने वाली बैठक टालनी पड़ी है। इस अहम मौके पर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं। निराशाजनक प्रदर्शन के लिए इंडिया गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस पर मनमानी करने, सहयोगी दलों को अपमानित करने और गठबंधन के लिए गंभीरता नहीं बरतने के आरोप लगा रहे हैं। सहयोगी दलों के कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इस आशय का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस गठबंधन के प्रति गंभीर नहीं है। हालात को संभालने के लिए बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद को सामने आना पड़ा। नौ दिसंबर सोनिया गांधी का जन्मदिन है। राहुल मां सोनिया का जन्मदिन मना कर विदेश यात्रा पर रवाना होंगे।

पन्नू ने फिर दी गीधड़ धमकी कहा- 13 दिसंबर को उड़ा देंगे संसद

नई दिल्ली(ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता है। कभी एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देता है तो कभी किसी बहाने धमकाने की कोशिश करता है। एक बार फिर उसने गीधड़ धमकी दी है। वीडियो जारी करते हुए पन्नू ने कहा है कि उसे मारने की कथित साजिश विफल होने के बाद 13 दिसंबर या उससे पहले भारत के संसद पर वह हमला करेगा। आपको बता दें कि 13 दिसंबर के ही दिन 2001 में संसद पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था।

वीडियो में 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का पोस्टर और दिल्ली बनेगा खालिस्तान शीर्षक दिया गया है। पन्नू ने कहा कि भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे मारने की साजिश विफल हो गई है। वह 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करके इसका जवाब देगा। आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के बीच यह वीडियो सामने आया है। सोमवार से शुरू हुआ यह सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा। पन्नू का धमकी भरा वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के के-2 (कश्मीर-खालिस्तान) डेस्क ने पन्नू को भारत विरोधी बयान देने और इसे प्रचारित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार को चेतावनी भी जारी की थी। पन्नू अमेरिका स्थित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों ने आदालत में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का भी आरोप लगाया। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। भारत ने अमेरिका द्वारा भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। भारत ने कहा था कि आरोपों की जांच करने वाले पैनल के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा चुनाव जीते सांसदों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों में विजय हासिल करने वाले सांसदों को लेकर जो संशय की स्थिति बनी हुई थी वह अब साफ हो गई है। दरअसल जीतने वाले सांसदों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। विधानसभा चुनाव जीतने वाले मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ समेत राजस्थान के 10 सांसदों ने बुधवार देर रात संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

जानकारी अनुसार मंगलवार देर रात जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक के बाद ही फैसला लिया गया था कि जीतने वाले सांसद अपना इस्तीफा सौंप देंगे। इससे पहले तक संशय बना हुआ था कि ये सांसद विधानसभा जीतने के बाद कहां की सीट खाली करेंगे। कयास ये भी लगाए जा रहे थे कि प्रदेश के जो कद्दावर नेता हार गये हैं उनके लिए ये सांसद अपनी सीट छोड़ कर वापस संसद जाएंगे, लेकिन इन पर विराम लग चुका है और सभी जीते हुए सांसदों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इसी कड़ी में जिन सांसदों ने इस्तीफा दिया है, उनमें मध्य प्रदेश के नरेंद्र सिंह तोमर, रीति पाठक, प्रह्लाद सिंह पटेल, राकेश सिंह और उदय प्रताप शामिल हैं। जबकि छत्तीसगढ़ के अरुण साव और गोमती साई जबकि राजस्थान से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी और किरोड़ी लाल मीना के नाम शामिल हैं।

श्रीनगर में माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज

- मौसम की सर्वा?धिक सर्द रात

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को माइनस 2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। श्रीनगर में बुधवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 2.2 डिग्री और पहलगाम में माइनस 5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया ?कि जम्मू में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, कटरा में 8.4 डिग्री, बटौत में 3.6 डिग्री, भद्रवाह में 1.4 डिग्री और बनिहाल में 0.8 डिग्री सेल्सियस रहा। कड़ाके की ठंड की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां के नाम से जाना जाता है, हर साल 21 दिसंबर को शुरू होती है और 30 जनवरी को समाप्त होती है।

भारतीय छात्रों ने कनाडा से की तौबा,वीजा में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और कनाडा के बीच पैदा हुए तनाव का असर अब भारतीय स्टूडेंट पर दिखने लगा है। इस साल की दूसरी छमाही में कनाडा में स्टडी के लिए आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिली। जुलाई से अक्टूबर के बीच भारत से नए स्टडी परमिट के लिए आवेदनों की संख्या पिछले साल के कुल 145,881 से घटकर 2023 की समान अवधि में केवल 86,562 रह गई, जोकि लगभग 40ड्ड की गिरावट है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ हाल फिलहाल में शोषण के कई मामले आये हैं, जिससे कनाडा में स्टडी वीजा में गिरावट देखने को मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर कनाडा में हो रही कठिनाइयों के बारे में पोस्ट किया है, यह भी एक कारण है कि कनाडा स्टडी वीजा में गिराव देखने को मिली।गौरतलब है कि कनाडा इस समय आवास संकट से जूझ रहा है। यहां आबादी अधिक घर कम है जिसके चलते घरों की कीमतें जरूरत से ज्यादा काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में यहां पढ़ने जाने वाले छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इमीग्रेशन, रिफ्यूजीस एंड सिटिजनशिप कनाडा के अनुसार, साल 2022 में 3 लाख 63 हजार 541 भारतीय छात्रों ने आवेदन किया था, जो 2021 के 2 लाख 36 हजार 77 के आंकड़े से ज्यादा थे वहीं, अक्टूबर 2023 तक 2 लाख 61 हजार 310 भारतीय छात्रों ने आवेदन किया है।

नोटबंदी के बावजूद बढ़ा नकली मुद्रा का प्रचलन : एनसीआरबी

- पड़ौसी देशों पर लगाया अर्थव्यवस्था अस्थिर करने का आरोप

नई दिल्ली(ईएमएस)। कालेधन और नकली मुद्रा पर ?नियंत्रण के ?लिए सात साल पूर्व हुई ? नोटबंदी के बावजूद नकली मुद्रा का ?सिल?सिला थमता नजर नहीं आ रहा है हाल में एनसीआरबी की जारी रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी के बाद पहले साल में नकली नोटों के प्रचलन में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन बाद के वर्षों में इसमें फिर तेजी देखी गई। देश में पिछले साल 42,10,406 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 382 करोड़ रुपये थी।पिछले साल अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किये गये। राष्ट्रीय राजधानी में जब्त नकली नोटों में 2000 रुपये के 73,253 नोट; 1000 रुपये का एक नोट; 500 रुपये के 24,476 नोट; 200 रुपये के 3,160 नोट; 100 रुपये के 12,980 नोट; 50 रुपये के 5,706 नोट; 20 रुपये के 26 नोट; और 10 रुपये के 31 नोट शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतर-राज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया था और 500 रुपये के 19 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के नकली नोट बरामद किये थे।

उल्लेखनीय है कि जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, नकली भारतीय मुद्रा के उत्पादन, तस्करी या संचलन को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित करता है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नकली नोटों की इस आमद का एक बड़ा स्रोत पश्चिमी पड़ोसी देश पाकिस्तान को बताते हैं। उनका तर्क है कि पाकिस्तान नकली मुद्रा लाकर भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के अपने दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में लगा हुआ है। अधिकारियों ने कहा, पश्चिमी सीमा पर कड़े सुरक्षा उपायों के बावजूद, पाकिस्तान ने नकली धन की घुसपैठ के लिए वैकल्पिक मार्गों को अपनाया है और अब भारत के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे पड़ोसी देशों का इस्तेमाल कर रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नोटबंदी के बाद काठमांडू (नेपाल), बांग्लादेश और भारत में बड़ी मात्रा में जाली नोटों की बरामदगी की जांच से पता चला है कि पहले नकली नोटों की बड़ी खेप हवाई मार्ग से खाड़ी देशों के रास्ते पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाई जाती है। इसके बाद नेपाल और बांग्लादेश की खुली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से भारत में नकली धन की तस्करी की जाती है।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। संगठित अवैध निवेश और कार्य-आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद बंद किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (14सी) ने अपनी 'राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई' (एनसीटीएयू) के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी (टास्क बेस्ड पार्ट टाइम जॉब) के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है। ऐसी जानकारी मिली है कि आर्थिक अपराध से संबंधित कार्य आधारित संगठित अवैध निवेश से जुड़ी इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और ये डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और फर्जी खातों का इस्तेमाल कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर आर्थिक धोखाधड़ी से मिली रकम का कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी, विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के जरिए भारत से बाहर धन शोधन किया जा रहा था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया के 17 घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं ने बैठक की

नई दिल्ली (ईएमएस)। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 17 घटक दलों के संसदीय दल के नेताओं ने बैठक की जिसमें हालिया संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र से जुड़े मुद्दों और 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। कांग्रेस का कहना है कि गठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक की तारीख के बारे में एक-दो दिन में घोषणा की जाएगी। यह बैठक इस महीने संभावित है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर आयोजित बैठक में कांग्रेस से खरगे, राहुल गांधी, के।सी। वेणुगोपाल और जयराम रमेश, द्रमुक के टी।आर। बालू, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, जावेद अली खान एवं एस।टी। हसन, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा, जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, राष्ट्रीय जनता दल के फैयाज अहमद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की वंदना चव्हाण, राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ मांझी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विश्वम तथा कुछ अन्य नेता शामिल हुए। बैठक में शिवसेना और तृणमूल कांग्रेस का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा। कांग्रेस ने कहा कि इन दोनों पार्टियों ने इस बारे में पहले से सूचित कर दिया था कि बैठक में उनका कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंच सकेगा।

बैठक के बाद कांग्रेस नेता सैयद नासिर हुसैन ने संवाददाताओं से कहा, ''आज सदन के नेताओं की बैठक हुई। संसद के विधेयकों, सरकार के रवैये पर चर्चा की। कुछ अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि घटक दलों के नेताओं की बैठक की तारीख के बारे में अगले एक-दो दिन में घोषणा कर दी जाएगी। बैठक से पहले राघव चड्ढा ने संवाददाताओं से कहा, ''चर्चा 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर होगी। 'इंडिया गठबंधन को कैसे आगे लेकर जाना है, किसी को हराने के लिए नहीं, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी जैसे रोग को खत्म कर देश को कैसे आगे लेकर जाना है, उस बारे में चर्चा की जाएगी।

महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आंकड़े नागरिकों की चिंता बढ़ा रहे हैं. दरअसल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से पता चला है कि देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार महाराष्ट्र में है। 2022 में महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा। राज्य में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कई उपाय और कानून लागू किये गये हैं। भ्रष्टाचार निरोधक कानून इसी उद्देश्य से बनाया गया है। 2021 में 773 और 2020 में 664 भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं. भ्रष्टाचार के मामले महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज किए जाते हैं। भ्रष्टाचार के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए। ब्यूरो ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक ऐप और एक हेल्पलाइन नंबर (1064) भी जारी किया है। इसके अलावा लोग भ्रष्टाचार की शिकायत ऑनलाइन और ऑफलाइन भी कर सकते हैं।

इस संबंध में एनसीआरबी ने एक डेटा जारी किया है. 2022 में दो व्यक्तियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया जबकि छह व्यक्तियों को कारावास और अन्य दंड की सजा सुनाई गई। इस संबंध में मुख्य सचिव को विभागाध्यक्षों के साथ इन सभी मामलों की समीक्षा करना आवश्यक है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जजों को हर महीने कम से कम 5 मामले निपटाने होंगे. लेकिन इसका पालन नहीं किया जाता. सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और एसीबी प्रमुख प्रवीण दीक्षित ने कहा कि अदालत में लंबित शिकायतों पर ध्यान नहीं दिए जाने से अन्य शिकायतकर्ता निराश हैं. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है. यह देखना दिलचस्प है कि आने वाले समय में इसमें कोई सकारात्मक बदलाव होता है या नहीं.

दुनिया की सबसे ख़तरनाक बीमारियों में से एक अप्लास्टिक एनीमिया का सफल इलाज इन्दौर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पहली बार हुआ

::डाक्टरों की टीम ने एंटीथाइमोसाइट ग्लोब्युलिन थैरेपी से घोड़े के खून से तैयार किया एंटीबॉडी::

इन्दौर (ईएमएस) घोड़े के खून से एंटीबॉडी तैयार कर दुनिया की खतरनाक जानलेवा बीमारियों में से एक अप्लास्टिक एनीमिया से पीडित गम्भीर मरीज का सफल इलाज इन्दौर के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पहली बार किया गया। तकरीबन 3 माह तक चले इस इलाज के बाद इस बीमारी से पीड़ित मरीज के पूर्ण स्वस्थ होने पर अब हॉस्पिटल से उसे डिस्चार्ज किया जा रहा है। बता दें कि घोड़े के खून से एंटीबॉडी तैयार कर इस गंभीर बीमारी के इलाज की तकनीक का मेडिकल साइंस में नाम एटीजी थैरेपी है और दुनिया की सबसे ख़तरनाक बीमारियों में से एक अप्लास्टिक एनीमिया का इलाज अभी तक इसी थेरेपी से सभंव है। इलाज करने वाली सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम के अनुसार किसी भी मरीज का बोनमैरो अर्थात खून बनना बंद हो जाता है, उसे अप्लास्टिक एनीमिया बीमारी कहते हैं। इसके इलाज के लिए बोनमैरो ट्रांसप्लांट किया जाता है, मगर कई बार ट्रांसप्लांट वाले बोनमैरो के जीन्स उस पीडित मरीज से मैच नहीं करते। ऐसे हालात में बोनमैरो ट्रांसप्लांट करना असंभव हो जाता है। तब मरीज का इलाज घोड़े के खून से एंटीबॉडी लेकर एटीजी (एंटीथाइमोसाइट ग्लोब्युलिन थैरेपी) के माध्यम से किया जाता है। डाक्टरों के अनुसार जिस तरह से मरीजों के लिवर, किडनी फेल हो जाने वाले मरीजों को दूसरों के ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए जाते हैं। इसी तरह यह बोनमेरो ट्रांसप्लांट है। डाक्टरों के अनुसार अप्लास्टिक एनीमिया बीमारी मुख्यतः दो तरह की होती हैं- एक्वायर्ड अप्लास्टिक एनीमिया, इन्हेरिटेड अप्लास्टिक एनीमिया। इस जानलेवा बीमारी की वजह से शरीर में लगातार खून कम होता चला जाता है। इसके साथ ही प्लेटलेट कम होना, ब्लीडिंग होना, व्हाइट ब्लड सेल कम होना, बार-बार इंफेक्शन होने लगता है। हर हफ्ते ब्लड चढ़ाना पड़ता है। इम्युनिटी लगातार कम होने लग जाती है। समय पर इलाज न होने पर मरीज की 24 या 36 माह में मौत तक हो जाती है।

डाक्टरों का कहना है कि इस जानलेवा बीमारी का इलाज एटीजी थैरेपी से ही संभव है। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में इस थैरेपी से पहली बार इलाज किया गया है। तीन माह तक चले इलाज में डॉक्टर सुधीर कटारिया, डॉक्टर राहुल भार्गव, डॉक्टर सुमित शुक्ला की अहम भूमिका रही। इस पर डॉ. अक्षय लाहोटी, डीएम क्लिनिकल हेमेटोलॉजिस्ट, सहायक प्रोफेसर मेडिकल कॉलेज, इंदौर ने कहा है कि

इन सबकी वजह से पहली बार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अब एटीजी थैरेपी इलाज की शुरुआत हो गई है। इससे अब गरीब और मध्यम वर्ग के पीडितों का इलाज आसानी से हो सकेगा।

जन हितैषी

नफरत की खेती, करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष की घर में हत्या

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की जयपुर स्थित उनके घर में घुसकर, हत्यारों ने उनकी हत्या कर दी। मंगलवार की दोपहर 2 बजे बदमाश उनके घर पहुंचे और बातचीत करते हुए 15 से ज्यादा गोलियां चलाकर दिनदहाड़े उनके घर में ही हत्या कर दी। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली है। संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत के विरोध के कारण गोगामेडी चर्चा में आए थे। उनके समर्थकों ने पद्मावती की शूटिंग के दौरान भारी तोड़फोड़ की थी। सारे देश में एक आंदोलन सा चला दिया था। सिनेमा घरों में तोड़-फोड़ और एक आतंक का वातावरण बनाया गया था। आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर के बाद उन्होंने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। करणी सेना के अध्यक्ष जिनकी घर में घुसकर हत्या की गई है, उनके खिलाफ 21 आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज थे। इनमें से सात मामले गंभीर प्रकृति के थे। नफरत की खेती का कोई अंत नहीं होता है। जो बोया जाता है, वही किसी न किसी रूप में काटना ही पड़ता है। आतंक की राजनीति, आतंक के जरिए प्रभुत्व, सत्ता बनाने की होड़ में इसी तरीके की घटनाएं हमेशा से होती आई हैं, और आगे भी होती रहेंगी। हमें यह सोचना होगा, वर्तमान समय में हम किस ओर जा रहे हैं। जरा-जरा सी बात को लेकर उत्तेजना, रोजाना मारने-काटने या दूसरों को नीचा दिखाने की जो होड़ चल पड़ी है, यह हत्याकांड भी उसी का परिणाम है।

वर्तमान स्थिति में भारत में आम और खास आदमी दोनों की ही सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारे सामाजिक संस्कार बहुत खोखले होते जा रहे हैं। हम दोहरे चरित्र के साथ जी रहे हैं। व्यक्तिगत स्वार्थ के अलावा और कोई सोच नहीं हैं। इसके दुष्परिणाम इस तरीके से देखने को मिल रहे हैं। हर व्यक्ति केवल अपनी सोचता है, अपने फायदे के लिए दूसरे का किसी भी हद तक जाकर कोई भी नुकसान कर देता है। जिस स्वार्थ के लिए उसने दूसरे का नुकसान किया है, उससे उसे भी कोई फायदा नहीं होता है, उल्टे उसे ही नुकसान सहना पड़ता है। यह समझ कब आएगी। यह कहना मुश्किल है। राजनीतिक, सामाजिक या धार्मिक क्षेत्र में समाज और लोक व्यवहार में नफरत और उत्तेजना हम प्रतिदिन देखते हैं। बड़े-बड़े पदों पर बैठने वाले लोगों की वाणी में कोई संयम नहीं है। कोई सोच नहीं है। तत्काल प्रतिक्रिया देकर हम यह भी नहीं सोचते हैं, कि इसके परिणाम क्या होंगे। महाभारत काल में द्रोपदी के इतना कहने पर, कि अंधे का लड़का अंधा ही होगा। उसकी परिणीति महाभारत युद्ध के रूप में हुई। जिसमें भारी विनाश का सामना करना पड़ा। ऐतिहासिक और धार्मिक ग्रंथो में इस तरीके की हजारों घटनाएं दर्ज होने के बाद भी, वर्तमान में जिस तरीके का वातावरण देश में बना हुआ है, वह चिंतित करने वाला है।

करणी सेना के अध्यक्ष की घर में घुसकर हत्या कोई साधारण घटना नहीं है। यह इस बात का घ्योतक है, कि मरने और मारने वाले के लिए कोई भी सुरक्षा व्यवस्था अथवा सुरक्षा कवच काम नहीं आता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने की थी। नफ़रत की सोच को हमें बदलना होगा। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरीके का वातावरण भारत में बनाया जा रहा है, वह चिंतित करने वाला है। सामाजिक सद्भाव, राजनीतिक सद्भाव और मानव जीवन में सभी को एक साथ लेकर चलने की जो प्रवृत्ति भारत की थी, हमें फिर उसका अनुसरण करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। नफरत की खेती में सिवाय विनाश के कुछ हासिल होने वाला नहीं है। प्रेम की खेती करने पर ही विकास संभव है। हमें प्रेम करना और प्रेम से रहना सीखना ही पड़ेगा।

एग्जिट पोल, बड़ा झोल

(विशेष लेख)

तेलंगाना विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के समापन के साथ ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम सर्वे एजेंसियों ने अपने-अपने एग्जिट पोल्स का प्रसारण कर दिया था। मिजोरम में 7 नवम्बर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर, मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर, राजस्थान में 25 नवम्बर और तेलंगाना में 30 नवम्बर को मतदान हुआ था। अधिकांश एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कांटे की टक्कर होने का अनुमान लगाया था लेकिन कुछ एग्जिट पोल ऐसे भी थे, जिनमें किसी में कांग्रेस की एकतरफा जीत का अनुमान व्यक्त किया गया था तो किसी में भाजपा की। राजस्थान में आज तक-एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में कांग्रेस के 86-106 जबकि भाजपा के 80-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था, वहीं जन की बात के एग्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस को केवल 62-85 सीटें और भाजपा को 100-122 सीटें मिलने का अनुमान था। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 94-104 सीटें मिलने का अनुमान था जबकि भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी। राजस्थान में न्यूज 24-टुडेज चाणक्य ने भाजपा को 77-101, कांग्रेस को 89-113 और अन्य को 2-16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। इसी प्रकार भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने क्रमशः 80-100, 86-106 तथा 9-18, टीवी9-पोलस्टार ने 100-110, 90-100 तथा 5-15, दैनिक भास्कर ने 95-115, 105-120 तथा 0-15 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की थी। वहीं एबीपी-सी वोटर ने भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को क्रमशः 94-114, 71-91 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। चुनावी नतीजे देखें तो राजस्थान में भाजपा को 115, कांग्रेस को 69 तथा अन्य को 15 सीटें मिली हैं जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा को 164, कांग्रेस को 65 और अन्य को 1 सीट मिली हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में भी भाजपा तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों से परे 54 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रही है। विभिन्न एग्जिट के मुताबिक मिजोरम में एमएनएफ को 14 से 18, कांग्रेस को 8 से 10, जेपीएम को 12 से 16 सीटें मिलने के अनुमान था और त्रिशंकु विधानसभा होने की भविष्यवाणी की गई थी। हालांकि चुनावी नतीजों में जेपीएम को पूर्ण बहुमत के साथ 27 सीटें मिली जबकि एमएनएफ को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस को महज 1 सीट ही मिली यानी मिजोरम में भी तमाम एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरे।

देखने वाली बात यह है कि कई एग्जिट पोल के आंकड़ों में बड़ा अंतर था और साथ ही इनमें हमेशा प्लस-माइनस का भी बड़ा खेल शामिल रहता है। यही कारण है कि एग्जिट पोल में किए जाने वाले दावों पर अब आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जाता क्योंकि ये केवल चुनाव परिणामों का पूर्वानुमान ही होते हैं और अभी तक कई बार ऐसा हो चुका है, जब विभिन्न एग्जिट पोल में किए गए पूर्वानुमान से चुनाव परिणाम बिल्कुल उलट रहे। वैसे चुनावी सर्वे कराए जाने का इतिहास बहुत पुराना है और दुनिया के कई देशों में ऐसे सर्वे कराए जाते हैं। चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि एग्जिट पोल मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। यह नियम तोड़ने पर दो वर्ष की सजा या जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। यदि कोई चुनाव कई चरणों में भी सम्पन्न होता है तो एग्जिट पोल का प्रसारण अंतिम चरण के मतदान के बाद ही किया जा सकता है लेकिन उससे पहले प्रत्येक चरण के मतदान के दिन डेटा एकत्रित किया जाता है।

एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफैशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया। उन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर हार-जीत का अनुमान लगाया जाता है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही 'एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते। एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रूझान होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर तैयार किए जाते हैं। वास्तव में ये सिर्फ अनुमानित आंकड़े होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वेकर्ताओं को अपने मन की सही बात ही बताई हो। यही कारण है कि एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। (लेखक - योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एक बार फिर ईवीएम निशाने पर....

भारत में विमर्श के लिए राजनीति के अलावा और कोई मुद्दा खड़ा ही नहीं हो पाता । भाजपा की तीन राज्यों में अप्रत्याशित प्रचंड विजय के बाद अब चुनाव में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यनि ईवीएम एक बार फिर से विवादों में है । आप कह सकते हैं कि ईवीएम विपक्ष के निशाने पर है। लेकिन सवाल ये है की ईवीएम क्या सचमुच भारत की निर्वाचन प्रक्रिया को दूषित कर रही है या उसे यूं ही बदनाम किया जा रहा है ?

ईवीएम की कहानी बड़ी दिलचस्प है । ईवीएम का जन्म कांग्रेस के शासनकाल में हुआ और अब यही ईवीएम कांग्रेस केलिए भस्मासुर बन गयी है। भारत में इलेक्ट्रोनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (बैंगलोर) और भारत इलेक्ट्रोनिक्स (हैदराबाद) द्वारा 1989 में ईवाएम को बनाने की शुरुआत हुई थी। तब इसे एक साहसिक कदम माना जा रहा था। प्रयोग के तौर पर इस ईवीएम का इस्तेमाल सबसे पहले केरल के उत्तर पारावुर विधानसभा के 50 मतदान केंद्रों में हुए उपचुनाव में किया गया। कांग्रेस सरकार ने ही साल 2004 से सभी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए इस मशीन का इस्तेमाल शुरू किया।

ईवीएम उस जमाने में आयी जब मतदान कागज की पर्चियों पर होता था। उस जमाने में बूथ कैप्चरिंग सबसे बड़ी समस्या थी । ईवीएम का विकास शायद इसी बुराई को दूर करने के लिए किये गया था।ईवीएम की खास बात यह है कि इससे बूथ कैप्चरिंग काफी मुश्किल है ,क्योंकि एक ईवीएम एक मिनट में सिर्फ 5 वोट ही दर्ज कर सकती है । एक ईवीएम में अधिकतम 2000 वोटों को रिकार्ड किया जा सकता है. और एक ईवीएम में नोटा सहित अधिकतम 64 उम्मीदवारों के नाम अंकित किए जा सकते है। ख़ास बात ये कि ईवीएम को चलाने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती है. यह बैटरी से चलती है। मजे की बात ये है कि ईवीएम लाने वाली कांग्रेस ने ही सबसे पहले इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाये लेकिन ईवीएम को बदला किसी ने नही। ईवीएम पिछले 20 साल में अनेक चुनाव करा चुकी है । ईवीएम प्राय सभी राजनितिक दलों के निशाने पर रही है । ईवीएम पर सबसे बड़ा आरोप है कि उसे हैक किया जा सकता है।

जहाँ तक मुझे याद है कि 19 मई, 1982 को परवूर विधानसभा में ईवीएम से चुनाव कराये गए थे। मुकाबला सीपीआई के प्रत्याशी सिवन पिल्लई और कांग्रेस के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एसी जोज़ के बीच था। सीपीआई के सिवन पिल्लई ने कांग्रेस के एसी जोज़ को हरा दिया था। पिल्लई को 30,450 वोट मिले थे, जबकि जोज़ को 30,327। अंतर बहुत कम था। इसके बावजूद कांग्रेस ने ईवीएम पर सवाल उठाए। जोज़ ने हार नहीं मानीं। उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। जॉज की शिकायत थी कि बिना संसदीय अनुमति के चुनाव आयोग ने इलेक्शन में ईवीएम का इस्तेमाल किया। हालांकि कोर्ट ने जोज़ की याचिका को खारिज कर दिया, पर वो रुके नहीं। मामला सुप्रीम कोर्ट में लेकर गए। सुप्रीम कोर्ट ने परवूर विधानसभा के उन 50 बूथों पर बैलट पेपर के जरिए दोबारा मतदान कराने के आदेश दिए. इतना ही नहीं, दोबारा हुए चुनाव में जोज़ 2 हजार मतों के अंतर से चुनाव भी जीत गए। यानि ईवीएम कोर्ट में हार गयी। सुप्रीम कोर्ट के 1984 में आए आदेश के बाद चुनाव आयोग ने ईवीएम के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगा दी। हालांकि बाद में संसद ने ईवीएम को वैध बनाने के लिए अपने अधिनियम में संशोधन किया और 1998 से विधानसभा और लोकसभा चुनावों से इसका इस्तेमाल किया जाने लगा।

पिछले दो दशकों में देश का ऐसा कोई राजनीतिक दल नहीं है जिसने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े न किये हो । आज केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा हो,बसपा हो,सपा हो जेडीयू हो सबको ईवीएम संदिग्ध लगती है। हमारे चंबल इलाके में कुछ साल पहले भिंड ज़िले के अटेर में ईवीएम मशीन के डेमो के दौरान किसी भी बटन को दबाने पर वीवीपैट पर्चा भारतीय जनता पार्टी का निकलने के बाद ज़िले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को हटा दिया गया था। तब चुनाव आयोग कि और से सफाई दी गयी थी कि मशीनें ठीक से कैलिब्रेट नहीं हो पायी थी । हाल में हुए मप्र विधानसभा चुनाव में इसी अटेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा सरकार के मंत्री अरविंद भदौरिया चुनाव हारे हैं।

अब स्थिति ये है कि कांग्रेस को ईवीएम पर भरोसा नहीं है और भाजपा ईवीएम के भरोसे ही देश को कांग्रेस विहीन करने के अभियान में जुटी है। एक तरफ नए सिरे से ईवीएम पर रोक की मांग की जाने लगी है। तर्क दिए जाने लगे हैं कि ईवीएम न सिर्फ हैक हो रही है बल्कि इससे मतदान की गोपनीयता भी भनग हो रही है । मतदाता की जान को खतरा बढ़ रहा है ,क्योंकि अब प्रत्याशी को बूथ के हिसाब से मतों की गणना का आंकड़ा मिल रहा है। मतदाता की पहचान आसान हो गयी ह। मतपत्रों से चुनाव के वक्त ऐसा सम्भव नहीं था क्योंकि सब मतपत्र गड्डमड्ड कर दिए जाते थे। ईवीएम कि अविश्वसनीयता सियासत से निकलकर साहित्य तक पहुँच गयी। शायरों ने लिख डाला -

चुनाव हार गए हम ,मशीन जीत गयी

लहू में भीगी हुई आस्तीन जीत गयी

मुझे लगता है कि ईवीएम को लेकर देश में एक बार फिर से बवाल होगा । फिर मामला अदालत तक जायेगा। फिर इसे बंद कर पुरानी प्रक्रिया पर लौटने की बात की जाएगी ,तर्क दिए जायेंगे,प्रमाण दिए जायेंगे लेकिन नतीजा निकलेगा ढाक के तीन पात जैसा ही। सत्तारूढ़ भाजपा शायद ही ईवीएम को बंद करने पर राजी हो। ये बात सही है कि भारत जैसे विशाल देश कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता और निष्पक्षता को बनाये रखने के लिए हमें ईवीएम के इस्तेमाल पर पुनर्विचार करना चाहिए,क्योंकि इससे लोकतंत्र की पवित्रता का मामला भी बाबस्ता है। बार-बार कहा जाता है कि दुनिया के तमाम बड़े लोकतांत्रिक देशों में मशीन का इस्तेमाल चुनाव में नहीं किया जाता तो भारत में इसकी क्या जरूरत है ?भारत में भी अमेरिका कि तरह कागज के मतपत्रों से ही चुनाव होना चाहिए।

चुनाव प्रक्रिया से ईवीएम का विस्थापन हालाँकि आसान नहीं है ,किन्तु असम्भव भी नहीं है । यदि संसद चाहे तो इस मशीन को अलविदा कह सकती है ,लेकिन आज हमारे पास जो संसद है उसमें ऐसा कर पाना शायद नामुमकिन है। क्योंकि अभी मशीन सत्तापक्ष के अनुकूल साबित हो रही है ,लगातार हो रही ह। मशीन विधानसभा चुनावों में कुछ नतीजे देती है और लोकसभा चुनावों में कुछ और। इससे लगता है कि मशीन का विवेक सरकार के अधीन होता है। अब कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष यदि भाजपा कि ही तरह ठान ले कि जैसे जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई गयी थी उसी तरह इस मशीन को भी हटा दिया जाएगा तो मुमकिन है कि बात बन जाये। अन्यथा जनता हारेगी और मशीन जीतती रहेगी। कोई उसे रोक नहीं सकता।

यदि देश में एक राष्ट्र ,एक चुनाव हुए तो कहा जाता है कि देश के चुनाव आयोग को लगभग 30 लाख कंट्रोल यूनिट, लगभग 43 लाख बैलेट यूनिट और लगभग 32 लाख वीवीपीएटी की आवश्यकता होगी।लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए लगभग 35 लाख वोटिंग यूनिट (कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपीएटी यूनिट) की कमी है।एक साथ चुनाव कराने पर विचार-विमर्श तेज होने के बीच निर्वाचन आयोग ने कुछ महीने पहले विधि आयोग को सूचित किया था कि उसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को रखने के लिए पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की भी आवश्यकता होगी।(लेखक राकेश अचल)

राजस्थान में आपसी कलह से हारी कांग्रेस

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बना बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके।

प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सीमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सीमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए।

चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्ही दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे।

विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटवाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होर्डिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे।

सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ। चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी।

चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा।

अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई।

पार्टी के प्रदेश पर भारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने मे ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी की सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष, सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट के जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है।

अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिली। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया।

अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे।

कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी जनता में अपनी खोई पैंठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की ओर अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का इतिहास 6 दिसंबर

1732 ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रथम गर्वनर वारेन हेंस्टिंग्स का जन्म.

1906 ट्रांसवाल और आरेंड फ्रीस्टेट को अपनी सरकार गठित करने का अधिकार मिला.

1917 बेल्जियम और फ्रांस के हथियारों से लदे दो जहाजों के बीच हैलीफैक्स में हुई टक्कर में डेढ़ हजार से अधिक लोग मारे गए.

1921 ब्रिटेन और आयरलैंड में शांति संधि हुई.

1925 इटली और मिस्र के बीच लीबियाई सीमा के बारे में समझौता हुआ.

1956 डॉ.भीमराव आम्बेडकर का निधन.

1971 दक्षिण कोरिया में आपात स्थिति लागू की गई.

1975 अमरीकी वायुसेना और नौसेना के अड्डे पर बातचीत करने के लिए राष्ट्रपति केराल्ड फोर्ड फिलीपींस पहुंचे.

1992 अयोध्या में कार सेवकों द्वारा बाबरी मस्जिद का ढाचा ध्वस्त, केंद्र द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा भंग, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू. चार मरे.मुख्यमंत्री कल्याणसिंह का त्यागपत्र.

1994 प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रतापसिंह ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया.

शब्द पहेली - 7848

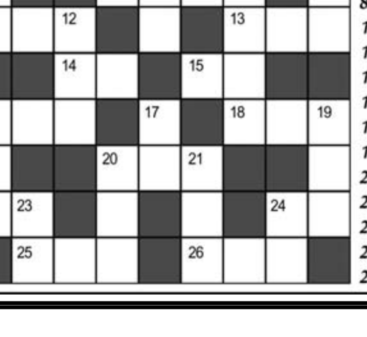

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7847 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंचे रवि बिश्नोई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर रवि बिश्ननोई टी20 की रैं?किंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार र?वि ?बिश्ननोई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन का इनाम मिला है। बिश्नोई आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान को पीछे छोड़ा। इसके साथ रवि बिश्नोई जसप्रीत बुमराह के क्लब में शामिल हो गए हैं। हालां?कि बुमराह भी टी20 रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज रह चुके है। इस तरह टी20 में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा है। ?फिलहाल तो गेंदबाजों की रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव पहले नंबर पर बने हुए हैं। जब?कि आईपीएल में लखनऊ सुपर जॉयंट्स की ओर से खेलने वाले रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 5वें नंबर पर थे। उन्होंने 5 पायदान की छलांग लगाते हुए नंबर वन की कुर्सी हासिल की है। रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 664 रेटिंग प्वॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 5 मैचों की टी20 सीरीज में 9 विकेट चटकाए। इससे उन्हें 34 पॉइंट का इजाफा हुआ। बिश्नोई के अब 699 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं जो राशिद खान के 7 अंक ज्यादा है।

बीसीसीआई से रोहित शर्मा की दो टूक, टी20 वर्ल्ड कप में लेना है तो अभी बताएं

स्पोर्ट्स डेस्क (ईएमएस)। भारतीय ?प्लेयर रो?हित शर्मा ने बीसीसीआई से दो टूक कहा है ?कि वह उसे टी20 वर्ल्ड कप में लेना चाहती हैं तो अभी बतायें। गौरतलब है ?कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट के बारे में विभिन्न बातों पर चर्चा करने के लिए भारत के कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चयन समिति के साथ लम्बी बैठक की। इस दौरान रोहित लंदन में थे और जूम कॉल के माध्यम से नई दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल हुए। रो?हित कुछ महीनों की कठिन नॉन-स्टॉप क्रिकेट के बाद अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने विदेश गए थे, उन्होंने कथित तौर पर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों और चयनकर्ताओं से पूछा क्या वह चाहते है कि वह वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप का हिस्सा बनें।

बैठक में मौजूद एक अधिकारी के हवाले से रोहित और अन्य लोगों के बीच हुई बातचीत का खुलासा हुआ। रोहित ने उपस्थित अधिकारियों और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें टी20 विश्व कप में खेलते हुए देखते हैं। अधिकारी के अनुसार बैठक में रोहित ने कहा, अगर आप मुझे टी20 विश्व कप के लिए चुनना चाहते हैं तो मुझे बताएं कि इसके बारे में कैसे जाना है। उपस्थित अधिकारी, कोच द्रविड़ और चयनकर्ता कथित तौर पर सर्वसम्मति से सहमत हुए कि रोहित टी20 विश्व कप में टीम की कमान संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं। चयनकर्ता वास्तव में चाहते थे कि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे से ही टी20 टीम की कमान संभालें, लेकिन अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने पूरे सफेद गेंद से ब्रेक का अनुरोध किया।

भुवनेश्वर को नजरअंदाज करने पर क्या कह गए आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड कप का शोर खत्म होने के बाद भारतीय टीम अलग मोड़ की ओर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 4-1 से शानदार जीत हासिल की हैं। इसके बाद भारतीय टीम द.अफ्रीका के खिलाफ खुद को टेस्ट करने के लिए तैयार है। टी20 और वनडे सीरीज के लिए सेलेक्शन कमेटी ने भारतीय टीम के स्विंग मास्टर भुवनेश्वर कुमार को नजरअंदाज कर दिया। जिसके बाद भारतीय टीम के पूर्व ओपनर आकाश चोपड़ा ने उनके करियर के फुलस्टॉप की तरफ इशारा किया है।

टी20 में भुवनेश्वर की लगभग 2 साल से वापसी नहीं हुई है। वहीं, वनडे टीम के लिए सेलेक्टर्स ने 1 साल से भुवनेश्वर की ओर रुख नहीं किया। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भुवनेश्वर को नजरअंदाज किया तब चोपड़ा ने उनके करियर को लेकर खुली बात रखी। आकाश चोपड़ा ने कहा, मैं और आप उसके करियर का फैसला नहीं कर सकते हैं, क्योंकि हम चयनकर्ता नहीं हैं, और हम यह कहने वाले कौन होते हैं कि ये खत्म हो गया है या एक लंबा करियर बचा है? वर्तमान में उनके लिए चीजें अच्छी नहीं दिख रही हैं। ऐसा लगता है जैसे एक बाधा आ गई है। आपको मौके नहीं मिल रहे हैं। आपके पास एक अच्छी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और एक अच्छा आईपीएल भी था। लेकिन आपको कहीं भी नहीं चुना जा रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि सेलेक्टर्स ने अन्य दिशाओं में देखना शुरू कर दिया है और विकल्प मौजूद हैं। भारतीय क्रिकेट के बारे में एक सचमुच सराहनीय बात है कि आपके पास हमेशा इतने सारे विकल्प उपलब्ध होते हैं कि आप कहते हैं कि आप किसी और के साथ जा सकते हैं। मुकेश कुमार, आवेश खान, दीपक चाहर, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, और फिर आप उमरान मलिक को भूल जाते हैं, जिनसे आपने चार महीने पहले मैच खेला था। तब यह भारतीय क्रिकेट की वास्तविकता है, तब भुवी के लिए आपको बहाव मिलता है।

भारतीय क्रिकेटर अश्विन को सता रहा 'मिगजॉम का डर

चेन्नई (ईएमएस)। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भी चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम का डर सता रहा है। उन्होंने चेन्नई के लोगों की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अपने इलाके में पिछले 30 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है। तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में में 'मिगजॉम तूफान ने तबाही मचाई हुई है। चेन्नई में मंगलवार को बारिश रूक गई लेकिन जगह जगह काफी पानी जमा है, बिजली कटी हुई है और मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा। इस पीड़ा को अश्विन ने 'एक्स पर लिखा, 'मेरे इलाके में भी 30 घंटे से अधिक समय से बिजली नहीं है। यही हालत अधिकांश इलाकों की है। पता नहीं क्या विकल्प बचा है। गौरतलब है ?कि चेन्नई के रहने वाले अश्विन लगातार शहर की तस्वीरें और वीडियो क्लिप पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को क्षतिग्रस्त सड़क की वीडियो डालकर लिखा था ?कि एक दिन और धैर्य रखिए अगर बारिश रूक जाती है, रिकवरी में समय लगेगा। हैशटैग चेन्नई रेंस 2023। गौरतलब है ?कि तमिलनाडु में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों के मारे जाने के समाचार हैं।

सूर्यकुमार की कप्तानी में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के लिए रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इं?डिया साउथ अफ्रीका दौरे पर आज रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टी20 भारतीय टीम बुधवार तड़के साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु से दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी। सूर्या की कप्तानी में भारत ने हाल ही में अपने घर में ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं। साउथ अफ्रीका में हालांकि टीम इंडिया के लिए हमेशा से मुश्किलें पेश आई हैं। यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है। रिंकू सिंह ने फ्लाइट के अंदर से सोशल मीडिया पर एक सेल्फी पोस्ट की है जिसमें अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव दिखाई दे रहे हैं। बता दें ?कि रिंकू सिंह का यह पहला साउथ अफ्रीका दौरा है। 26 साल के इस बैटर के अलावा ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और रवि बिश्नोई भी पहली बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गए हैं। टीम इंडिया की यंगिस्तान पूरे जोश में है और कुछ कर गुजरने को तैयार है।

सभी युवा खिलाड़ी आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारों में शुमार हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन जून 2024 में वेस्टइंडीज में होगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका में आजमाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का अच्छा मौका है। रिंकू सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 105 रन बना। वह सिर्फ एक बार आउट हुए। लेफ्ट हैंड इस बैटर ने लगभग 190 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। रिंकू ने बतौर फिनिशिर की भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका दौरे पर रवाना होने वाले पहले बैच में टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित हेड कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ आदि शामिल थे।

अरिजीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 4-2 से हराया

कुआलालंपुर (ईएमएस)। अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-2 से हराकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किए। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किए। मैच में फ्रांस भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा।

अदाणी, एफएमसीजी के शेयरों में तेजी, सातवें दिन हरे निशाना पर बंद हुआ बाजार

मुंबई (ईएमएस)। अदाणी ग्रुप,एफएमसीजी, आईटी और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के बीच बुधवार घरेलू शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच गए। विदेशी निवेशकों की तरफ से हो रही लगातार खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और ग्लोबल मार्केट में सकारात्मक रुख के दम पर लगातार सातवें दिन बाजार में तेजी देखी गई।

बुधवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 358 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 83 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.19 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 357.59 अंक की बढ़त के साथ 69,653.73 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में बुधवार को 69,744.62 और 69,395.01 के रेंज में कारोबार हुआ।

वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 82.60 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,937.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में बुधवार को 20,961.95 और 20,852.15 के रेंज में कारोबार हुआ। बुधवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। विप्रो, आईटीसी, एलएंडटी,टीसीएस और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा विप्रो के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.60 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी,एक्सिस बैंक, अल्टाट्रेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एनटीपीसी के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.52 फीसदी गिर गए।

बाजार जानकार क्यों कह रहे सतर्क रहने को

शेयर बाजारों में वर्तमान में शानदार तेजी देखी जा रही हैं। तेजी का आलम यह है कि निफ्टी 500 के करीब 90 फीसदी स्टॉक और निफ्टी 50 के करीब 49 स्टॉक अपने-अपने 200 दिनों के मूविंग औसत (डीएमए) से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। 200-डीएमए ट्रेडर्स और इंवेस्टर्स, दोनों के लिए सबसे अहम ट्रेंड इंडीकेटर होता है। यह उन ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए काफी अहम रोल निभाता है जो यह देखते हैं कि कौन से स्टॉक्स और इंडेक्स अपने उचित लेवल से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं और आने वाले समय में इनमें और उछाल आ सकता है और कौन से प्रमुख शेयर हैं, जो आने वाले समय में गिर सकते हैं और उसे बेच देना चाहिए।

पिछले कुछ समय से बाजार में काफी तेजी के साथ बढ़ोतरी ने जानकारों को सतर्क कर दिया है, जो अब उम्मीद करते हैं कि मार्केट में गिरावट आने से पहले मजबूती देखने को मिल सकती है। उनका सुझाव है कि निवेशकों को सिलेक्टिव बने रहना चाहिए और केवल वहीं निवेश करना चाहिए जहां वैल्यूएशन कम्फर्टेबल जोन में बना रहे और अर्निंग को लेकर सकारात्मकता नजर आए। बाजार जानकार ने कहा, भले ही बाजार में तेजी का दौर चल रहा है, बाजार के निकट अवधि में मजबूत होने की संभावना है क्योंकि इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों और इंडिविजुअवल निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली की जाएगी। लेकिन, बाजार में गिरावट आएगी क्योंकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा खरीदारी की जाएगी जो लगातार खरीदार के रूप में उभरे हैं।

भारतीयों के लिए नई मुसीबत,आसान नहीं होगा परिवार को ब्रिटेन ले जाना

लंदन(ईएमएस)। ब्रिटेन ने अपनी रणनीति के तहत अप्रवासियों की संख्या कम करने की योजना तैयारी की है। योजना के तहत वीजा के नियम इतने सख्त किए गए है कि भारतीय परिवारों को ब्रिटेन ले जाना आसान नहीं होगा। विदेशी श्रमिकों के लिए स्किल के आधार पर वीजा पाने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में ब्रिटेन लाने पर रोक लगाना शामिल है। यह फैसला भारतीयों पर सीधे तौर पर असर डालने वाला है। क्योंकि हर साल हजारों भारतीय यूके जाते हैं। ब्रिटेन के ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन में इससे जुड़ा बयान दिया।

ब्रिटिश वीजा लेने के मामले में भारतीयों का दबदबा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूके के गृह विभाग के डेटा से पता चलता है कि भारतीय वीजा लेना में स्किल्ड वर्कर के साथ-साथ मेडिकल प्रोफेशनल और छात्रों की लिस्ट में भी टॉप पर हैं। कुशल श्रमिक वीजा में पिछले वर्ष सिर्फ 9 फीसदी की मामूली वृद्धि देखी गई। लेकिन स्वास्थ्य और देखभाल के वीजा में 135 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय आवेदकों की संख्या 76 फीसदी बढ़ी है।

बयान के मुताबिक स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। क्लेवरली ने संसद को बताया, 'आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए।'

विस चुनाव परिणाम : कांग्रेस का चार राज्यों में बढ़ा वोट प्रतिशत बना पीएम मोदी के लिए चुनौती

- कांग्रेस को 4 करोड़ 90 लाख जबकि भाजपा को 4 करोड़ 81 लाख मिले वोट ने आगामी लोस चुनाव के लिए बढ़ाई पीएम की मु?श्किलें

नई दिल्ली(ईएमएस)। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों के विधानसभा चुनाव प??रिणाम में जहाँ भारतीय जनता पार्टी तीन राज्यों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सत्तासीन हुई तो वहीं कांग्रेस ने तेलंगाना में चमत्कारिक उपलब्धि हा?सिल की। ले?किन कांग्रेस का यह अप्रत्या??शित ?विजय भाजपा के चार राज्यों के उत्सवघोष में समा गया। इस ?निर्वाचन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है ?कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव पश्चात प्राप्त प??रिणाम संख्या की दृ?ष्टि से तीन राज्यों में भले ही भाजपा का प्रभुत्व दर्शाते हों ले?किन वोट प्र?तिशत की दृ?ष्टि से कांग्रेस के साथ भाजपा के मुकाबले अ?धिक जनादेश है या वोट प्र??तिशत अ?धिक है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना, इन चार राज्यों में कांग्रेस को करीब 4 करोड़ 90 लाख वोट मिले हैं, जबकि भाजपा को लगभग 4 करोड़ 81 लाख वोट मिले हैं। यही तथ्य लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ?समक्ष बड़ी चुनौती है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की कामयाबी इसलिए सामान्य है कि कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा जीतती है, साल 2018 में कांग्रेस ने तीनों राज्य जीते थे, तो इस बार 2023 में तीनों राज्य भाजपा ने जीते हैं। परन्तु तेलंगाना में कांग्रेस ने पहली बार इतनी बड़ी सफलता हासिल की है और तेलंगाना की इस कामयाबी में राहुल गांधी की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

?निर्वाचन के दौरान राहुल गांधी की सभाओं, रैलियों और रोडशो में उमड़ता जनसैलाब तेलंगाना में कांग्रेस की लोक?प्रियता को प्रद?र्शित कर रहा था, लेकिन ??हिन्दी प्रधान तीन राज्यों पर के?न्द्रित मी?डिया कवरेज से यह तथ्य उपे?क्षित रहा ।

गौरतलब है ?कि राजस्थान में अशोक गहलोत ने अनेक जनहित की योजनाएं दीं, लेकिन हर बार राज बदलने की परंपरा कायम रही और केवल 2 प्रतिशत वोट के अंतर से राजस्थान कांग्रेस के हाथ से निकल गया। लेकिन इसका कोई फायदा लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को नहीं मिलेगा, क्योंकि सभी 25 सीटें भाजपा गठबंधन ने जीती थी, उल्टे अब ये 25 सीटें बचाने की बड़ी चुनौती है।

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना ने शिवराज सिंह चौहान की नी?तियों और कार्यशैली को अप्रत्या?शित ?विजय ?दिलाई ले?किन इसका श्रेय प्रधानमंत्री को ?दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की जन कल्याणकारी योजनाओं के सफल ?क्रियान्वयन के बावजूद मतदाताओं ने सत्ता प?रिवर्तन का निर्णय लिया। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना, इन चार राज्यों में कांग्रेस को करीब 4 करोड़ 90 लाख वोट मिले हैं, जबकि भाजपा को लगभग 4 करोड़ 81 लाख वोट मिले हैं। अर्थात लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें बढ़ेंगी, जबकि भाजपा की सीटें कम होंगी।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में ?भाजपा विजय पर ?जितना आक्रामक रुख अपनाया जा रहा है, वहां भाजपा कांग्रेस से औसतन 4 फीसदी वोट से आगे है। कहने का तात्पर्य यह है ?कि 2 प्रतिशत वोट बदलते ही सारा सियासी हिसाब बदल जाएगा।

अगले साल 65,000 से 67,000 के स्तर तक जा सकता हैं सोना

मुंबई (ईएमएस)। 2 साल की सुस्ती के बाद सोने में जबरदस्त तेजी का रुख दिखाई दे रहा है। इस साल गोल्ड रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार कर रहा है। सोने का रेट 63,000 के स्तर दिखा चुका है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, फिलहाल सोने का भाव 62,266 रुपये पर कारोबार कर रहा है। लेकिन सवाल ये है कि क्या इतनी तेजी दिखाने के बाद सोने का भाव और बढ़ेगा? इजराइल और हमास के बीच जंग के बाद फिर से सोने के भाव में तेजी दिख रही हैं। वहीं, एक्सपर्ट्स का मानना है कि आगे भी गोल्ड में तेजी का रुख जारी रह सकता है। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, क्योंकि डॉलर में गिरावट का दौर जारी है, फिलहाल यह 3 महीने के निचले स्तर के आसपास है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। भारत में 24 कैरेट गोल्ड का भाव फिलहाल 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ऊपर ट्रेड कर रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों पर करीब से नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा स्तरों से कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है लेकिन तेजी का रुख जारी रहने की संभावना है। अगले साल सोने के भाव में 65,000 से 67,000 के स्तर देखने को मिल सकते हैं। सोना मौजूदा स्तरों से अच्छा रिटर्न दे सकता है। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और जियो-राजनैतिक टेंशन जारी रहने से गोल्ड को सपोर्ट मिलेगा और इसमें अच्छी तेजी रहने की उम्मीद बनी रहेगी। इसके अलावा अमेरिकी सेंट्रल बैंक से अगले वर्ष से ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद है यह फैक्टर भी गोल्ड के लिए पॉजिटिव रहेगा।

शेयर बाजार की वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार

भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट में गैप कम हुआ

मुंबई (ईएमएस) ।विश्विक स्तर पर भारतीय शेयर बाजार सरपट भाग रहा है। इसकी वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार निकल गई, जो दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी बाजार के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। साथ ही भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट के बीच का गैप कम हो गया है। बता दें कि हांगकांग का स्टॉक मार्केट तेजी से फिसल रहा है।

भारत के एक्सचेंजों पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) तीन साल से भी कम समय में 1 लाख करोड़ डॉलर बढ़ गया है, क्योंकि भारतीय शेयर बाजार दक्षिण एशिया के साथ-साथ उभरती दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में उभरा है।

रिपोर्ट के मुताबिक,पहले से ही ऑल टाइम हाई पर ट्रेड कर रहे भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इस साल 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं और लगातार आठवें वर्ष अभूतपूर्व लाभ की ओर बढ़ रहे हैं। इसके विपरीत, हांगकांग के प्रमुख इक्विटी बेंचमार्क में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे बाजार का कुल मूल्य 4.7 लाख करोड़ डॉलर से भी कम हो गया है। भारत इस साल की शुरुआत में चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राजनीतिक स्थिरता और मजबूत घरेलू विकास क्षमता का दावा करते हुए, भारत अपने पूंजी बाजारों के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन में वैश्विक निवेश बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

विदेशी निवेशकों ने इस साल नेट बेसिस पर भारत में 15 अरब डॉलर से अधिक के शेयर खरीदे हैं, जबकि घरेलू फंडों ने 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। कोरोना महामारी के बाद से रिटेल ट्रेडिंग में आए उछाल से भी भारत में निवेश को बहुत अधिक बढ़ावा मिला है।

दक्षिणी गाजा में 45 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत, कई घायल

गाजा(ईएमएस)। इजरायल डिफेंस फोर्स ने कहा है कि हमारा लक्ष्य हमास के बड़े कमांडरों को खत्म करना है। इसके लिए इजरायल सेना लगातार गाजा पर हमला कर रही है। हाल ही में दक्षिण गाजा में किए गए हमले में 45 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। इससे पहले आईडीएफ ने अस्पतालों, शरणार्थी कैंपों और शहर में नए निर्देशों के साथ पर्चे गिराए. इसमें लिखा था कि घर से बाहर मत निकलें, बाहर जाना बेहद खतरनाक है। इजराइल आर्मी प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ हम अब साउथ में कार्रवाई कर रहे हैं।

इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद एक बार फिर जंग शुरू हो चुकी है। इस बीच इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा पर हमला किया, जिसमें 45 लोगों की मौत और कई घायल हो गए। बता दें कि 7 अक्टूबर के हमास हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के 16 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना ने बताया कि संघर्ष विराम के बाद दक्षिणी गाजा में जमीनी अभियान की शुरु की गई है। वहीं इसके बाद से यह सबसे तेज हमला था। उन्होंने बताया कि इजराइली सेना जबालिया, पूर्व शुजैय्या और खान यूनिस में घुस चुके हैं।

इधर हमास ने कहा कि हमारे लड़ाकों ने 24 इजराइली सैन्य वाहनों को तबाह कर दिया है। इसके साथ ही स्नाइपर्स ने भी इजराइली सेना के जवानों को निशाना बनाया है, जिसमें से कई सैनिकों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि इजराइली सेना ने घरों पर हमले किए, जिसमें लगभग 45 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं,जिनहें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमास के मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस लड़ाई में अब तक 7112 बच्चों और 4885 महिलाओं की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही इजराइली हमलों में अब तक कुल 16,248 लोगों मारे जा चुके हैं और हजारों लोग लापता हैं।आईडीएफ ने अस्पतालों, शरणार्थी कैंपों और शहर में नए निर्देशों के साथ पर्चे गिराए। इसमें लिखा था कि घर से बाहर मत निकलें, बाहर जाना बेहद खतरनाक है। इजराइल आर्मी प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी के मुताबिक उत्तरी गाजा के कई इलाकों को आंतक विहीन कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ हम अब साउथ में कार्रवाई कर रहे हैं।

बस दुर्घटना में 25 की मौत

मनीला(ईएमएस)। मध्य फिलीपींस के एंटिक प्रांत में मंगलवार शाम एक यात्री बस के पहाड़ी से गिर जाने के कारण कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इलोइलो शहर से एंटिक प्रांत में सैन जोस डी ब्यूनाविस्टा जा रही 53 यात्रियों से भरी यात्री बस सड़क किनारे बने कंक्रीट के बैरियर से टकराकर एक खड्ड में गिर गई।

मृतकों में बस चालक, प?रिचालक स?हित अन्य यात्री शा?मिल हैं। घायलों में केन्या के एक पुरुष सहित दो गंभीर यात्रियों को इलाज के लिए इलोइलो शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया। आपातकालीन कर्मचारी खड्ड से लोगों के शव निकालने और शेष लोगों के रेस्क्यू में लगे हैं।

बदनामी से बचने के लिए इजरायल ने लेबनान से माफी मांगी ?

गाजा(ईएमएस)। हमास और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का अंत क्या होगा। कोई नहीं जानता। पर इतना जरुर है कि संघर्ष विराम खत्म होने के बाद फिर युद्ध शुरु हो गया है। आईडीएफ ने गाजा में हमास के ठिकानों पर तेजी से हमला शुरू कर दिया है। इजरायल का दावा है कि अभी भी हमास के पास उसके सैकड़ों लोग कैद में हैं। हमास पर हमलों के बीच इजरायली सेना ने लेबनान से माफी मांगी है। मामला इजरायली अटैक में लेबनान के एक सैनिक की हत्या को लेकर है। हिजबुल्लाह के ठिकाने पर हमला के बजाय इजरायली सेना ने लेबनान की चौकी उड़ा दी। अब उसकी हर ओर बदनामी हो रही है। आईडीएफ ने सफाई में कहा है कि उसका निशाना हिजबुल्लाह था लेकिन, उसे रिपोर्ट मिली है कि हमले में कई लेबनान सैनिक हताहत हुए हैं। अब आईडीएफ मामले की जांच की बात कह रही है।

एक दुर्लभ बयान में इजरायल रक्षा बल आईडीएफ ने बुधवार को हमले के दौरान एक लेबनानी सैनिक की हत्या पर खेद व्यक्त किया। सेना के अनुसार, सीमा पर हिजबुल्लाह के ठिकाने का पता लगा था, जिसके बाद हमला किया गया। यह हमला हिजबुल्लाह द्वारा संभावित हमले को नष्ट करना था। आईडीएफ को एक रिपोर्ट मिली कि हमले के दौरान लेबनान की सेना के कई सैनिक घायल हो गए। उसने कहा कि हमले का निशाना लेबनानी सेना नहीं थी। उसे इस घटना के लिए खेद है और इसकी जांच की जाएगी। गौरतलब है कि इजराइल की सेना ने दक्षिणी गाजा के मुख्य शहर पर हमला शुरू किया था जो पांच सप्ताह बाद भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास की सशस्त्र शाखा, अल क़स्साम ब्रिगेड ने कहा कि उसके लड़ाके इजरायली लोगों के साथ हिंसक झड़पों में लगे हुए हैं। हमास की सशस्त्र शाखा ने कहा कि उसने को आठ इजरायली सैनिकों को मार डाला या घायल कर दिया और 24 सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया। एक इजरायली सैन्य वेबसाइट ने मंगलवार को दो सैनिकों की मौत और जमीनी कार्रवाई शुरू होने के बाद से 83 सैनिकों की मौत की सूची दी है।

युद्धविराम की अवधि 4 दिसंबर को पूरी होने जाने के बाद इजरायली सैनिकों ने गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। इस बीच, मीडिया ने वाशिंगटन के अधिकारियों के हवाले से कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हिंसा में शामिल लोगों पर वीजा प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है। दरअसल, संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर और मिस्र, ने पहले इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की थी, ने कहा कि वे लंबे संघर्षविराम पर काम कर रहे थे। हालांकि, कतर द्वारा इजरायल पर नरसंहार का आरोप लगाने के बाद एक और अस्थायी संघर्ष विराम की उम्मीदें धूमिल हो गईं हैं। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में अब तक 16,000 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जबकि गाजा के 23 लाख में से तीन-चौथाई से अधिक आबादी पलायन कर चुकी है।

फोर्ब्स की सबसे ताकतवर महिलाओं में निर्मला सीतारमन शामिल

नई दिल्ली(ईएमएस)। फोर्ब्स की सूची में दुनिया की सौ सबसे पावरफुल महिलाओं को शुमार किया जाता है। इस बार भारत की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन समेत तीन भारी महिलाओं को शामिल किया गया है। सीतारमन 32वें स्थान पर हैं,

जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और सिंगर टेलर स्विफ्ट भी शामिल हैं। इस सूची में तीन अन्य भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं,जिनके नाम – एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा (रैंक 60), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन सोमा मंडल (रैंक 70), और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ (रैंक 76) हैं।

फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सालाना लिस्ट में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन स्पॉट पर हैं, उनके बाद यूरोपीय सेंट्रल बैंक की बॉस क्रिस्टीन लेगार्ड दूसरे स्थान पर और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमल हैरिस तीसरे स्थान पर हैं। जानें दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में जगह बनाने वाली भारतीय महिलाओं के बारे में- सीतारमण मई 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक वित्त मंत्री बनीं और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की भी प्रमुख हैं। राजनीति में आने से पहले उन्होंने यूके के एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड सर्विस में भूमिकाएँ निभाईं। इसके अलावा,वह राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं।

सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक और उद्योगपति शिव नादर की बेटी हैं। फोर्ब्स ने कहा कि एचसीएल टेक्नोलॉजीज की अध्यक्ष के रूप में, वह कंपनी के सभी रणनीतिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने जुलाई 2020 में अपने पिता के बाद यह पद संभाला। फोर्ब्स के अनुसार, सोमा मंडल सरकारी स्वामित्व वाली स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष हैं। 2021 में भूमिका संभालने के बाद, उन्होंने स्टील निर्माता को वित्तीय वृद्धि दर्ज करने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि उनकी लीडरशिप के पहले वर्ष में फर्म का मुनाफा तीन गुना बढ़ गया था। फोर्ब्स ने बताया कि मजूमदार-शॉ भारत की सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिलाओं में से एक हैं। उन्होंने 1978 में बायोफार्मास्युटिकल फर्म बायोकॉन की स्थापना की थी।

हमास के खतरनाक इरादों का हुआ खुलासा,आईडीएफ चला रही सर्च ऑपरेशन

गाजा(ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच बीते दो माह से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों तरफ से सैकड़ो लोगों की मौत हुई है। हमास के आतंकियों के ठिकाने भी खत्म कर दिए गए है। इन ठिकानों की इजरायल सेना तलाशी ले रही है। जहां से ऐसी कई तरह की सामग्री मिली है जो उनके खतरनाक इरादों को उजागर करती हैं। हमास के ठिकानों से मिलने वाली डिजिटल डिवाइस और डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि वे आतंकी हमला का प्लान लंबे समय से बना रहे थे। मारे गए आतंकियों के पास से बरामद मोबाइल फोन, कंप्यूटर, डीपीएस डिवाइस, कैमरा और नोटबुक से पूरा प्लान सामने आ गया है। किबुज में किए गए हमले की साजिश सालों से चल रही थी। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के आतंकियों का प्लान हैरान करने वाला है। कम्प्यूटरों से डीटेल प्लान के बारे में पता चला है। एक लड़ाके के शव के पास से सैटलाइट तस्वीरें मिली हैं जिनमें उन जगहों के बारे में भी बताया गया था जहां हमला किया जाना था। आतंकियों को लोगों को मारने और बंधक बनाने की पूरी ट्रेनिंग दी गई थी। आतंकी के पास से नोट में यह भी लिखा था कि जो भी बंधक दिक्कत करे उसे तुरंत मार देना है। वहीं इजरायली सेना को पता चला है कि पूरी गाजा पट्टी में सुरंगों का जाल है। यहां पर अनगिनत बंधकों को रखा जा सकता है।

आईडीएफ के सदर्न कमांड के जनरल ने का कि गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू होने के बाद सबसे तेज हमला किया गया है। उन्होंने कहा, हम अब जबालिया, शेजाइया और खान युनिस के अंदर दाखिल हो चुके हैं। इजरायली सेना का कहना है कि पूरी गाजा पट्टी में हमास के आतंकियों ने ठिकाने बना रखे हैं। ऐसे में उत्तरी हिस्से के बाद सेना दक्षिणी हिस्से की तरफ कूच करेगी। इजरायली सेना का कहना है कि खान युनिस में हमास के आतंकियों के खिलाफ तगड़ी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि खान युनिस गाजा सिटी का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यूएन ने भी कहा है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बची है। अभी गाजा के हालात और भी खराब होने वाले हैं। बच्चों की मौत हो रही है। खान युनिस में शव धूल से पटे पड़े हैं। रेड क्रॉस की प्रेसिडेंट मिरजाना स्पोलजैरिक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा भयावह यह लगा कि ज्यादातर बच्चे इन हमलों में घायल हो रहे हैं। वहीं उनके माता-पिता की मौत हो जाती है और उन बेचारे असहाय बच्चों की देखभाल करने वाला भी कोई नहीं रहता। यूएन के आंकड़ों के मुताबिक गाजा की एक तीन चौथाई आबादी विस्थापित हो चुकी है।

बाइडेन ने कहा- ट्रंप को हराने के लिए लड़ रहा हूं, नहीं तो सब खत्म हो जाएगा

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन लोगों को चेता रहे है,कह रहे हैं कि ट्रंप को हराना बहुत जरुरी है,इसलिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। नहीं तो सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रम्प 2024 के चुनाव में उम्मीदार नहीं होते तो वो भी शायद चुनाव नहीं लड़ते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है और वे एक बार फिर राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल होंगे। ट्रंप की उम्मीदवारी को देश के लिए खतरा बताते हुए बाइडेन ने कहा अमेरिकी लोकतंत्र 2024 में अधिक खतरे में है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति और उनके सहयोगी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। इसी साल अप्रैल महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह घोषणा करके सभी को चौंका दिया था कि वे 2024 के चुनाव में भी उतरेंगे। उनके साथ ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी 2024 के लिए वाइस प्रेजिडेंड के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया था।

बाइडेन ने चुनावी अभियान में लोगों से अपील की हमे यह करना ही होगा,सिर्फ मेरे लिए नहीं। बल्कि उसे (ट्रंप) को जीतने से रोकने के लिए। बाइडेन ने कहा कि अगर ट्रंप चुनाव लड़ने के लिए नहीं उतरते तो वो भी इस बार चुनाव में हिस्सा नहीं लेते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है क्योंकि ट्रंप और उनके सहयोगी अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। बाइडेन का ट्रंप पर यह आरोप तब सामने आया है जब हाल ही में उन पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान लोगों को भड़काने और नतीजों को पलटने की कोशिश के आरोप लगे थे। बाइडन ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि ट्रंप का आना लोकतंत्र के लिए खतरा है। बाइडेन ने कहा कि ट्रम्प अमेरिकी इतिहास में परिणामों को स्वीकार नहीं करने वाले एकमात्र हारने वाले उम्मीदवार हैं।

पाकिस्तान की जनता को नहीं मिल रही दो जून की रोटी, महंगाई ने तोड़ी जनता की कमर

इस्लामाबाद(ईएमएस)। इन दिनों पाकिस्तान बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। यहां आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। खाने का सामान इतना महंगा है कि लोग खरीद नहीं पा रहे हैं। बीते कुछ समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता भी इस संकट को आर ज्यादा बढ़ा रही है। आम खाने-पीने की चीजों, आटा, दाल, चीनी से लेकर चावल तक की कीमतों में हाल के महीने में बेतहाशा बढोतरी देखी गई है। जिससे कम आय वाले परिवारों के लिए परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। एक तरफ कीमतें बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर कई कंपनियों और फैक्ट्रियों ने भी छंटनी की है। जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है और इससे हालात और ज्यादा पेचीदा हो रहे हैं।

पाकिस्तान के बिगड़ते आर्थिक हालात पर एक रिपोर्ट की है। इसमें उन्होंने लाहौर के एक दिहाड़ी मजदूर आसिफ मसीह के बारे में बताया है, जिसके सामने बीवी और पांच बच्चों को पालने की चुनौती है। 45 साल का आसिफ उन 7,00,000 श्रमिकों में से एक है, जो पाकिस्तान में हाल के सालों में बंद हुए 1,600 कपड़ा कारखानों में से एक में काम करता था। कारखाना बंद होने के बाद उसके पास काम नहीं है। कपड़े बनाने वाली एक फैक्ट्री में इस साल की शुरुआत में नौकरी से निकाले जाने के बाद आसिफ मसीह कभी ऑटोरिक्शा चलाकर तो कभी दिहाड़ी पर कोई काम कर अपने बच्चों के लिए खाना जुटा रहे हैं।

आसिफ लाहौर के योहानाबाद के औद्योगिक क्षेत्र में एक छोटे कमरे में रहते हैं। उनकी पत्नी शमीम आसिफ ने बताया कि जीवनयापन की बढ़ती लागत का उनके परिवार पर बहुत असर हुआ है। आसिफ की तीन बेटियों और दो बेटे हैं, जिनमें से कोई भी स्कूल नहीं जाता है। आसिफ का कहना है कि पहले हम 500 पाकिस्तानी रुपए में अपने घर का खर्च चला लेते थे लेकिन फिलहाल मंहगाई के चलते हालात ये हैं कि सात आदमियों के हमारे परिवार को भोजन पकाने के लिए ही हर दिन करीब 1,500 रुपए चाहिए। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजने की तो हम कैसे सोच सकते हैं। आसिफ मसीह पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक संकट से प्रभावित उन लाखों लोगों के हालात का आईना हैं, जो हर रोज दो वक्त की रोटी जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से हाल ही में एक और राहत पैकेज पाकिस्तान को मिला है। 1958 के बाद से 23वां राहत पैकेज है। इसके बावजूद देश के हालात संभलते नहीं दिख रहे हैं। मंहगाई सिर्फ खाद्य तक सीमित नहीं है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से उद्योगपतियों को भी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। अर्थशास्त्री और पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल का कहना है कि बीते कुछ समय में आटा, मांस और चावल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमत कई बार दोगुनी से भी अधिक हो गई है। ये गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए विनाशकारी स्थिति है।

महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को क्यों मजबूर है उत्तर कोरिया का तानाशाह

सियोल(ईएमएस)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग कब किसे मौत की सजा दे दे, कोई नहीं जानता। उसके आदेश पर ही हंसना और रोना पड़ता है। वो.. न किसी की सुनता है और न किसी को सुझाव देने की अनुमति देता है। बस, यूं ही चलता है उत्तर कोरिया। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि तानाशाह किम जोंग अपने ही देश की महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को मजबूर हो रहा है। बार बार देश के लिए उनसे रहम की भीख मांग रहा है। वो भी सार्वजनिक तौर पर कहता है कि महिलाएं ही उत्तर कोरिया को बचा सकतीं हैं।

उत्तर कोरिया की जन्मदर में पिछले 10 वर्षों से लगातार गिरावट हुई है। देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। हालांकि उत्तर कोरिया की जनसंख्या के रुझान के बारे में जानकारी मिलना मुश्किल है। उत्तर कोरिया में 2023 तक एक महिला से जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या 1.8 थी। यह प्रजनन दर उत्तर कोरिया के कुछ पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक जरूर है लेकिन सरकार इस आंकड़े को लेकर चिंतित है। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देश पहले से ही ऐसी ही गिरावट से जूझ रहे हैं।उत्तर कोरिया की एक स्वास्थ्य संबंधी वेबसाइट के प्रमुख अहं क्यूंग-सु के मुताबिक,'उत्तर कोरिया के कई परिवार एक से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि बच्चों के भरण पोषण, स्कूल इत्यादि में बहुत ज्यादा पैसे खर्च होंगे।' उत्तर कोरियाई मीडिया के मुताबिक, देश में तीन या उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार मुफ्त अनाज, सब्सिडी, फ्री इलाज इत्यादि विशेष लाभ प्रदान कर रही है, फिर भी लोग अधिक बच्चा पैदा करने से बच रहे हैं।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने हाल ही में देशभर की महिलाओं को बुलाकर अपनी समस्या साझा की है। उन्होंने देश में जन्म दर बढ़ाने की अपील करते हुए सरकार के प्रयासों में महिलाओं का समर्थन भी मांगा। उन्होंने महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को इस गिरावट को रोकने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में किम ने कहा, 'जन्म दर में गिरावट को रोकना और बच्चों की अच्छी देखभाल करना हमारा पारिवारिक मामला है। सभी माताओं को मिलकर इस मामले का समाधान निकालना चाहिए।

जिंदा नास्त्रेदमस ने की डराने वाली भविष्यवाणी

ब्राजील(ईएमएस)। ब्राजील में रहने वाले एथोस सैलोमे अपनी भविष्यवाणियों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्हे जीवित नास्त्रेदमस भी कहा जाता है। उसके किए कई दावे सच भी हुए हैं। इसमें पिछले साल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत से लेकर एलन मस्क के ट्विटर को एक्स करना शामिल है। एथोस का कहना है कि दुनिया की कुछ प्रमुख घटनाएं ऐसी हैं, जिन्हें वो अपनी क्षमताओं से भी प्रभावित नहीं कर सकते। भविष्य देखने का दावा करने वाले एक शख्स ने लोगों को चेतावनी दी है। उसने बताया है कि 2024 में आखिर ऐसा क्या होगा, जिससे लोगों को खतरा है। इस शख्स का नाम एथोस सैलोमे है।सैलोमे ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीसीटीवी की पावर को और बढ़ा रहा है। चीन और अमेरिका में बन रहीं फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी एक ऐसा युग लेकर आएंगी, जिसमें प्राइवेसी (गोपनीयता) नहीं होगी। सैलोमे ने कहा, आधुनिक निगरानी की स्थिति हमारी दुनिया में बड़े स्तर पर निगरानी और नियंत्रण के बड़े जाल का प्रतीक है। हम तेजी से एक ऐसी वास्तविकता की ओर बढ़ रहे हैं, जहां प्राइवेसी ही सरकारों और कॉर्पोरेशंस के लिए लोगों की व्यक्तिगत जानकारी तक पहुंच प्रदान करने वाली धारणा बन जाएगी।

सैलोमे के ऐसा कहने से पहले खबर आई थी कि रूस देश भर में 50 लाख कैमरा लगाएगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने नागरिकों की निगरानी बढ़ाएंगे। रूस का डिजिटल डेवलपमेंट मंत्रालय पूरे सिस्टम को केंद्रीकृत करना चाहता है ताकि क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का कार्यालय) में बैठे लोगों को फुटेज मिल सके। रूसी समाचार के अनुसार, यह घोषणा मकसुत शादेव द्वारा की गई थी, जो संबंधित मंत्रालय चलाते हैं। एथोस सैलोमे ने लोगों से सतर्क रहने को कहा कि कैसे उनकी निजी जानकारी इकट्ठा कर इस्तेमाल की जा रही है। सैलोमे ने कहा, मैं ये समझता हूं कि मेरी भविष्यवाणियां कभी कभार दिमाग में कल्पना की गई चीज की तरह महसूस हो सकती हैं। यह शून्यता और पूर्णता से होकर गुजरती हैं। ये कोई अनुमान नहीं हैं। बल्कि यह कुछ घटनाओं के दोबारा घटित होने की संभावना पर आधारित भविष्यवाणियां हैं। फिलहाल ये भविष्यवाणियां 2024 के लिए हैं। ये आने वाले वर्षों में भी सच हो सकती हैं।

‘वोकल फ़ॉर लोकल’ का नारा देने वाले पीएम मोदी ने अब ‘लोकल गोज ग्लोबल’ की नई राह दिखाई है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को अहमदाबाद में आयोजित प्री-वाइब्रेंट एक्सपोर्टर्स कॉन्फ्रेंस एक्सपोर्ट एक्सीलरेट को संबोधित करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस राइट जॉब एट टाइम है। उन्होंने कहा कि गेट वे टु द फ़्यूचर की थीम के साथ 10वीं वाइब्रेंट समिट जब आगामी 10 से 12 जनवरी, 2024 के दौरान आयोजित होने जा रही है, तब एक्सपोर्ट को एक्सीलरेट करने वाली यह प्री-वाइब्रेंट कॉन्फ्रेंस एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी। इस बार की वाइब्रेंट समिट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उपयोगी रहेगी। प्रधानमंत्री के ‘विकसित भारत@2047’ के संकल्प को पूर्ण करने में विकास क्रांति के साथ निर्यात क्रांति भी निर्णायक बनेगी। इस संदर्भ में पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2003 में शुरू कराई गई वाइब्रेंट समिट की उत्तरोत्तर सफलता तथा दो दशकों से वैश्विक निवेशकों के मिल रहे भारी समर्थन से आज वाइब्रेंट गुजरात समिट दुनियाभर के निवेशकों, उद्यमियों, थॉट लीडर्स के लिए नॉलेज शेयरिंग का ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म बन चुकी है। पटेल ने ‘वोकल फ़ॉर लोकल’ की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन गया है। एक समय बहुत आयात करने वाला भारत देश आज अनेक वस्तुओं, उत्पादनों तथा सेवाओं का एक्सपोर्ट करने वाला देश बन गया है। आज गुजरात राज्य कच्चे माल के स्थान पर फ़ाइनल प्रोडक्ट ही एक्सपोर्ट कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने देश को ‘वोकल फ़ॉर लोकल’ का नारा दिया है और अब ‘लोकल गोज़ ग्लोबल’ की नई राह दिखाई है। डिजिटल टेक्नोलॉजी की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग से व्यक्ति दुनिया के किसी भी छोर पर अपना उत्पाद बेच सकता है। डिजिटल ट्रेड के कारण एक्सपोर्ट अब अधिक सरल, तेज़ तथा विश्वसनीय बना है। इसके साथ ही, डिजिटल टेक्नोलॉजी ने एक्सपोर्ट सेक्टर की नई दिशाएँ खोल दी हैं। उन्होंने एमएसएमई के विषय में कहा कि एमएसएमई इकाइयाँ अपने उत्पाद निर्यात कर सकें; इसके लिए राज्य सरकार ने मार्केट डेवलपमेंट सहायता योजनांतर्गत 43 करोड़ रुपए की सहायता की है। राज्य में दो दशकों में एमएसएमई की संख्या पौने तीन लाख से बढ़ कर 8 लाख 66 हज़ार पर पहुँच गई है। इस प्रकार, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने 20 वर्षों में उत्पादन व निर्यात; दोनों क्षेत्रों में बहुत बड़ी छलांग लगाई है। पटेल ने कहा कि राज्य सररकार के प्रो-एक्टिव गवर्नेंस तथा इन्वेस्टर्स फ्रेंड्ली दृष्टिकोण और मज़बूत इनस्ट्रक्चर, सिमलेस कनेक्टिविटी, ईज़ ऑफ़ लॉजिस्टिक्स तथा एक्सपोर्ट इकोसिस्टम के कारण गुजरात भारत का एक्सपोर्ट हब बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 में हमारे पोर्ट्स से 1200 लाख मीट्रिक टन कार्गो का वहन होता था, जो आज 5400 लाख मीट्रिक टन हो गया है। प्रधानमंत्री की विज़नरी लीडरशिप की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जी-20, बिज़नेस तथा इन्वेस्टमेंट फ्रेंड्ली सिस्टम, विश्व के सबसे बड़े मार्केट और विशाल यूथ टैलेंट पूल से भारत ने विश्व में अपनी साख बढ़ाई है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब भारत नए सपने, नई दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की विज़नरी लीडरशिप में भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का भारत का लक्ष्य है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का भी लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इस लक्ष्य को साकार करने में वाइब्रेंट गुजरात समिट भी महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के लिए 16 पार्टनर कंट्री और 14 पार्टनर ऑर्गेनाइज़ेशन की पुष्टि

गांधीनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन के साथ गुजरात 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस 2024) की तैयारी कर रहा है जिसका इस बार का थीम ''गेटवे टू द फ्यूचर'' चुना गया है। वाइब्रेंट गुजरात के लिए अब तक 16 देशों और 14 संगठनों की पार्टनर कंट्री और ऑर्गेनाइज़ेशन्स के रूप में पुष्टि की गई है। पार्टनर कंट्री में जापान, फ़िनलैंड, मोरक्को, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मोज़ाम्बिक, एस्टोनिया, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, नीदरलैंड, नॉर्वे, नेपाल, थाईलैंड, बांग्लादेश, जर्मनी और मिस्र शामिल हैं। वहीं पार्टनर ऑर्गेनाइजेशंस (साझेदार संगठनों) में, अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया (एएमसीएचएएम इंडिया), कनाडा-इंडिया फाउंडेशन, ईपीआईसी इंडिया-यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी), इंडो-कैनेडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसीसी), इंडो-अफ्रीकन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, इंटरनेशनल सोलर अलायंस, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जेट्रो), नीदरलैंड्स बिजनेस सपोर्ट ऑफिस (एनबीएसओ), भारत में ईयू चैंबर्स ऑफ कॉमर्स की काउंसिल, यूएई इंडिया बिजनेस काउंसिल, यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) और वियतनाम में इंडियन बिजनेस चैंबर (आईएनसीएचएएम) शामिल हैं। प्रत्येक पार्टनर कंट्री और ऑर्गेनाइज़ेशन, वीजीजीएस की सफलता में योगदान देकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इन देशों और सगंठनों ने, सहयोग, व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से आगामी वीजीजीएस का प्रचार-प्रसार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वाइब्रेंट गुजरात के पिछले नौ संस्करणों में, पार्टनर कंट्री और ऑर्गेनाइज़ेशंस ने सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग के संदर्भ में भी अपना अहम योगदान दिया है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के ज़रिए, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी, रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए प्रभावी मंच तैयार किया गया है। पार्टनर कंट्री और ऑर्गेनाइज़ेशंस, वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये ‘विकसित भारत@2047’ के विज़न को साकार करने के लिए सेक्टोरल और कंट्री सेमिनार जैसे आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपना योगदान देंगे।

यूनेस्को ने गुजरात के गरबा को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दिया स्थान

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के करोड़ों लोगों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। गुजरात के गरबा को अब वैश्विक पहचान मिल गई है। यूनेस्को ने गुजरात के गरबा को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल किया है। गरबा को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर घोषित करने की यह घटना केवल गुजरात के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। यूनेस्को द्वारा गरबा को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर घोषित किए जाने पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गुजरात का गरबा इस सूची में शामिल होने वाली भारत की 15वीं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर है। यह उपलब्धि सामाजिक और लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देनेवाली एकीकृत शक्ति के रूप में गरबा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। एक नृत्य शैली के रूप में गरबा परंपरा और श्रद्धा की जड़ों में गहराई से समाया हुआ है, जिसमें सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होते हैं और यह समुदायों को एकजुट करने वाली एक जीवंत परंपरा के रूप में विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र का आभार व्यक्त किया। वहीं केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने इस उपलब्धि के लिए पूरे देश को बधाई दी। गौरतलब है गुजरात में प्रत्येक वर्ष नवरात्रि के मौके पर नौ दिनों के गरबा का आयोजन होता है। इसमें हजारों की संख्या में लोग एक साथ मां अंबे की आराधना के पर्व को सेलिब्रेट करते हैं। गुजरात की संस्कृति और मां अंबे की आराधना से जुड़े गरबा आयोजन राज्य की संस्कृति को अभिव्यक्त करते हैं।

प्रशासनिक कारणों से जीपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा स्थगित, नई तारीखों का जल्द होगा ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) की प्रीलिम्स परीक्षाओं को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रशासनिक कारणों के चलते फिलहाल जीपीएससी की प्रीलिम्स की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। आगामी जनवरी और फरवरी 2024 में ये परीक्षाएं ली जानेवाली थीं। आगामी समय में जीपीएससी की वेबसाइट पर प्रीलिम्स परीक्षाओं की तारीख का ऐलान किया जाएगा। संबंधित परीक्षार्थियों से आयोग की वेबसाइट पर नजर रखने का अनुरोध किया गया है।

गुजरात में सेमिकंडक्टर प्लांट लगाने के लिए एक और करार, 20 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

- गुजरात का सेमीकंडक्टर उत्पादन का प्रोजेक्ट आज पूरी दुनिया में ‘फास्ट इम्प्लीमेंटेशन प्रोजेक्ट’ के रूप में पेश किया जा रहा है: अश्विन वैष्णव

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में बुधवार को गांधीनगर में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दिग्गज और अग्रणी माइक्रोन कंपनी के साणंद स्थित सेमीकंडक्टर प्लांट की गतिविधियों को और तेजी देने के लिए ट्रस्ट एंड रिटेंशन एग्रीमेंट-टीआरए (विश्वास और प्रतिधारण अनुबंध) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अनुबंध के अंतर्गत गुजरात सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन तथा आईसीआईसीआई बैंक, माइक्रोन कंपनी को प्लांट कार्यरत करने के लिए आवश्यक सहयोग तथा वित्तीय सहायता के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की विभागीय प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने में सहायता करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अनुबंध को गुजरात में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की दोहरी विकास गति के त्वरित लाभ प्रदान करने वाला अनुबंध करार दिया। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में माइक्रोन को उसके प्लांट के लिए केवल एक सप्ताह के भीतर साणंद में जमीन उपलब्ध होना तथा 90 दिनों के भीतर ही प्लांट का भूमिपूजन एवं निर्माण कार्य का शुरू होना, यह केवल डबल इंजन सरकार की विकास प्रतिबद्धता से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि माइक्रोन का यह सेमीकंडक्टर उत्पादन प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘आत्मनिर्भर भारत’ और ‘मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड’ के संकल्प को साकार करते हुए ‘विकसित भारत@2047’ के विजन में गुजरात को निश्चित रूप से सेमीकंडक्टर क्षेत्र का हब बनाएगा। उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि साणंद में 22 हजार करोड़ रुपए की लागत से 93 एकड़ क्षेत्र में निर्माणाधीन माइक्रोन फैसिलिटी द्वारा रोजगार के लगभग 20,000 प्रत्यक्ष एवं परोक्ष अवसर सृजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में गुजरात प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी सिंगापुर यात्रा के दौरान माइक्रोन फैसिलिटी एंड असेंबली यूनिट के दौरे की याद ताजा की। उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान माइक्रोन ने गुजरात प्रतिनिधिमंडल को यह जानकारी दी कि साणंद में निर्माणाधीन प्लांट भी सिंगापुर के पैटर्न पर हाई टेक्नोलॉजी के साथ कार्यरत होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर माइक्रोन को राज्य सरकार के आवश्यक सहयोग के लिए तत्परता भी व्यक्त की।

केंद्रीय रेल और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में माइक्रोन को राज्य सरकार की ओर से मिल रही त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। वैष्णव ने कहा कि गुजरात का यह प्रोजेक्ट पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बनने के साथ-साथ डबल इंजन सरकार के ‘फास्ट इम्प्लीमेंटेशन’ यानी द्रुत कार्यान्वयन के उदाहरण के रूप में पेश किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जताई कि माइक्रोन के इस प्रोजेक्ट के चलते सेमीकंडक्टर सेक्टर में और अधिक निवेश प्रस्ताव आएंगे।

माइक्रोन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गुरुशरण सिंह ने सरकार के विभागों और अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण गुजरात में प्रोजेक्ट को तेजी से कार्यरत करने में गति लाएगा। इस अनुबंध पर हस्ताक्षर के अवसर पर मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव पंकज जोशी, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव जे.पी. गुप्ता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार तथा आईसीआईसीआई के गुजरात रीजन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित माइक्रोन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

खेडा के सिरप कांड में एक और मौत के साथ मृतांक पहुंचा 7 पर

अहमदाबाद (ईएमएस)। खेडा जिले के सिरप कांड की जांच के बीच एक और शख्स की मौत हो गई। सिरप पीने के बाद इस शख्स की तबियत बिगड़ने पर अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में लाया गया था। जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक साकर सोढा नामक शख्स खेडा जिले की नडियाद तहसील के नवा बिलोदरा का निवासी था। इस साकर सोढा ने एक नहीं बल्कि दो सिरप एक साथ गटगटा ली। सिरप पीने के बाद साकर सोढा की तबियत बिगड़ने लगी और उसे अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। हांलाकि उसे बचाया नहीं जा सका। साकर सोढा की मौत के साथ खेडा के सिरप कांड में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि खेडा सिरप कांड की पुलिस के अलावा नशाबंदी एवं आबकारी विभाग और फूड एन्ड ड्रग्स विभाग पिछले 6 दिनों से जांच कर रहे हैं।

कड़ी एपीएमसी में भाजपा का भगवा लहराया, किसान विभाग की सभी 10 सीटों पर शानदार जीत

मेहसाणा (ईएमएस)। जिले की कड़ी एपीएमसी में 10 सीटों पर हुए सामान्य चुनाव में भाजपा प्रेरित पैनल ने शानदार जीत दर्ज की है। किसान विभाग की सभी 10 सीटों पर जीत से कड़ी मार्केट यार्ड में फिर एक बार भाजपा का भगवा लहराया है। आमतौर पर मार्केट यार्ड के चुनाव निर्विरोध होते हैं, लेकिन अबकी बार 90 उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से मतदान अनिवार्य हो गया। कड़ी एपीएमसी के चुनाव में गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल भी उम्मीदवार थे, जिन्हें निर्विरोध विजेता घोषित किया गया। एपीएमसी में चुनाव के बजाए निर्विरोध परंपरा को बरकरार रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन कई उम्मीदवारों को आने से चुनाव अनिवार्य हो गया। हांलाकि आखिर में समर्थन की घोषणा की गई। मंगलवार को हुए चुनाव के नतीजे आज घोषित किए गए और इसमें भाजपा प्रेरित पैनल का सभी सीटों पर शानदार जीत हुई है।

मौसम के जानकार अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी, अगले फिर होगी बेमौसमी बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने अगले सप्ताह फिर एक बार बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की है। मतलब गुजरात पर से बेमौसमी बारिश का संकट टला नहीं है। दक्षिण भारत में चक्रवाती तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान का असर गुजरात तक हुआ है। भले ही गुजरात से बादल हट गए हों, लेकिन अब भी संकट टला नहीं है। अगले सप्ताह 13 से 18 दिसंबर के दौरान राज्य में बेमौसमी बारिश हो सकती है। अंबालाल के मुताबिक 13, 14, 15, 16, 17 और 18 को राज्य में बारिश हो सकती है। उसके बाद 22 और 23 को भी राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना है। इन दो दिनों के दौरान राज्य में कुछ जगह मावठ हो सकता है। बर्फबारी और बेमौसमी बारिश की वजह से राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। गुजरात के अलावा दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में बेमौसमी बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्र भी इससे प्रभावित होंगे और कुछ इलाकों में भारी बर्फबारी भी होगी।

वीएमसी के स्वास्थ्य विभाग ने अखाद्य चीजवस्तुओं के 22 विक्रेताओं के लाइसंस किए रद्द

वडोदरा (ईएमएस)। वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) के स्वास्थ्य विभाग ने अखाद्य चीजवस्तुएं बेचने वाले 22 व्यवसायियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की है। स्वास्थ्य विभाग ने होटल, रेस्टोरंट समेत 22 व्यवसायियों के लाइसंस एक महीने के लिए रद्द कर दिए हैं। दरअसल पिछले 4 महीने में अलग अलग दुकानें और गोदाम से खाद्य वस्तुओं के जो सैम्पल लिए गए थे, उनके फैल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने यह कार्यवाही की है। जिनके लाइसंस रद्द किए गए हैं उसमें होटल, रेस्टोरंट, मिठाई-नमकीन विक्रेता, प्रोविजन स्टोर और यार्ड के व्यापारी शामिल हैं। इन सभी व्यापारियों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से नोटिस जारी की गई थी। लेकिन किसी व्यापारी ने महानगर पालिका को अपना जवाब नहीं दिया। परिणामस्वरूप वीएमसी के स्वास्थ्य विभाग को कार्यवाही करने को मजबूर होना पड़ा। वडोदरा महानगर पालिका के मुताबिक अगर अब भी व्यापारियों का जवाब नहीं मिला तो उनके लाइसंस ज्यादा समय तक रद्द कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पुलिसकर्मी द्वारा पत्नी के मामले में बड़ा खुलासा, प्रेमिका की चाह में पत्नी को रास्ते से हटाया

छोटाउदेपुर (ईएमएस)। जिले के पीपलेज में पुलिसकर्मी द्वारा पत्नी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पति ने प्रेमिका को पाने के लिए अपनी पत्नी को रास्ते से हटा दिया। बता दें कि बीते दिन छोटाउदेपुर के गोंदरिया जाने के रास्ते से एक महिला का शव बरामद हुआ था। महिला की शिनाख्त के लिए उसकी तस्वीरें वायरल की गईं। जिसमें खुलासा हुआ कि मृत महिला पुलिस हेड क्वार्टर में सेवारत वरशन भूराभाई राठवा की पत्नी केडीबेन राठवा थी। केडीबेन का शव बरामद होने के बाद पुलिस ने पुलिसकर्मी वरशन राठवा से पूछताछ की और उसमें पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया। वरशन राठवा ने पत्नी की हत्या की बात कबूल कर ली। जानकारी के मुताबिक छोटाउदेपुर जिला पुलिस मुख्यालय में सेवारत वरशन राठवा का एक महिला टीआरबी के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। इस प्रेम संबंध में पत्नी केडीबेन सबसे बड़ी बाधा थी। इसी कारण वरशन राठवा ने पत्नी को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। वरशन ने केडीबेन की हत्या करने के बाद उसका शव गोंदरिया जानेवाले रास्ते पर फैंक दिया। मृतक केडीबेन के परिजनों ने प्रेम संबंधो के कारण उनकी बेटी की हत्या की गई है। पुलिस ने वरशन राठवा को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (एआईसीएफएफ) का 5वां संस्करण इस साल अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में आयोजित किया जाएगा

अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव (एआईसीएफएफ) का 5वां संस्करण इस साल 8, 9 और 10 दिसंबर 2023 को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में आयोजित किया जाएगा। अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के बच्चों और युवाओं की प्रतिभा, रचनात्मकता और संस्कृति को सशक्त बनाना है। एआईसीएफएफ प्रत्येक युवा को अपनी कहानी बताने के लिए एक मंच प्रदान करता है। गुजरात पर्यटन को धन्यवाद, जिसने हमेशा राज्य में सिनेमाई पर्यटन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया है, गुजरात पर्यटन इस महोत्सव में हमारे साथ शामिल हुआ है। एआईसीएफएफ एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव प्रारूप पर आधारित है, यह महोत्सव तीन दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा। अलग अलग गतिविधियाँ। 8 दिसंबर को ओपनिंग डे से ओपनिंग फिल्म, रेड कार्पेट के साथ ओपनिंग सेरेमनी अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में आयोजित की जाएगी।

दूसरे दिन विभिन्न देशों की फिल्में दिखाई जाएंगी, जिसमें मास्टरक्लास, फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता, लेखक और दुनिया भर से बड़ी संख्या में फिल्म निर्माता मौजूद रहेंगे। तीसरे दिन का समापन समापन फिल्म, पुरस्कार रात्रि और समापन समारोह के साथ होगा। महोत्सव एक प्रतियोगिता प्रारूप में है, इसलिए अंतिम दिन दुनिया भर की प्रतिभाओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।उद्घाटन के दिन ईरानी फारसी भाषा की फिल्म 'बलित' और अंतिम दिन गुजराती भाषा की फिल्म 'मारा पप्पा सुपरहीरो' दिखाई जाएगी। है महोत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेता पवन मल्होत्रा के साथ-साथ जापानी फिल्म निर्देशक फूमी निशिकावा जापान से महोत्सव में शामिल होंगे। इसके साथ ही मास्टर मंजूनाथ (मालगुडी डेज), शिलादित्य बोरा, पंकज रॉय, अजीतपाल सिंह, विश्रे अग्रवाल जैसी मशहूर हस्तियां भी शामिल होंगी.

गुजरात: 1.99 करोड़ लोग पीएमजेएवाई-मा कार्ड योजना में शामिल

अहमदाबाद,06दिसम्बर

अहमदाबाद. दुनिया के सबसे बड़े बीमा कवर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के अंतर्गत गुजरात में अब तक 1.99 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कवर किया जा चुका है। राज्य में इस योजना के अंतर्गत 58 लाख से अधिक मरीजों को मुफ्त इलाज मिला है। इन मरीजों को 11590 करोड़ रुपए की बचत हुई है। पीएमजेएवाई और गुजरात की मुख्यमंत्री अमृतम (एमए) योजना एक ही कर दी गई हैं। इन योजनाओं के चलते राज्य के गरीब और मध्यमवर्ग लोग अस्पतालों में होने वाले खर्च से चिंता मुक्त हुए हैं।

गुजरात के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पीएमजेएवाई-एमए के तहत 2495 सूचीबद्ध अस्पतालों में 2471 निर्धारित प्रक्रियाओं के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा की गई है।2021 से अब तक 1.37 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को नए आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं। इसके अलावा, गुजरात को योजनाओं के तहत सबसे अधिक संख्या में आयुष्मान कार्ड बनाने के उपलक्ष्य में वर्ष 2022 के दौरान आयुष्मान उत्कृष्टता पुरस्कार भी मिला है। भारत सरकार ने वर्ष 2022-23 के दौरान भी आयुष्मान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

प्रतिदिन 3509 लोग ले रहे उपचारवर्तमान में राज्य के 1709 सरकारी, 768 निजी और 18 भारत सरकार संचालित समेत 2495 अस्पताल इस योजना से जोड़े गए हैं। इन अस्पतालों में प्रतिदिन औसतन 3509 लोग उपचार ले रहे हैं। योजना में किसी तरह की अनियमितता न हो उस लिहाज से स्टेट एंटी फ्रॉड यूनिट (एसएएफयू) का भी गठन किया गया है।

गुजरात सरकार ने 'मुख्यमंत्री अमृतम (एमए) और मुख्यमंत्री अमृतम वात्सल्य (एमएवी) योजनाओं को 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ एकीकृत करने के बाद सभी को आयुष्मान कार्ड दिए जा रहे हैं। इस योजना के दायरे में आने वाले मरीज को 10 लाख रुपए तक का उपचार निशुल्क प्रदान किया जाता है। सामान्य बीमारियों से लेकर अंग प्रत्यारोपण, हृदय उपचार, कैंसर आदि का मुफ्त इलाज अपने निवास के आसपास के चयनित निजी और सरकारी अस्पतालों में करवाया जा सकता है।

गुजरात नुवामा प्राइवेट इक्विटी के लिए एक रणनीतिक बाजार है

नवंबर, 2023 - नुवामा एसेट मैनेजमेंट की निजी इक्विटी शाखा और भारत के अग्रणी वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधकों में से एक, नुवामा पीई ने गुजरात को एक रणनीतिक बाजार के रूप में तलाशने के अपने इरादे की घोषणा की है। यह 'भारत के लिए भारतीय' के उसके दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य भारत में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र, विशेष रूप से गुजरात जैसे जीवंत उद्यमशीलता केंद्रों का लाभ उठाना है, ताकि व्यापार वृद्धि को बढ़ावा दिया जा सके और साथ ही भारतीय निवेशकों को उच्च गुणवत्ता वाले व्यवसायों तक पहुंच प्रदान की जा सके। महत्वपूर्ण। आने वाले दशकों में विकास का मार्ग।

इस अवसर पर नुवामा प्राइवेट इक्विटी के मैनेजिंग पार्टनर प्रणव परिख ने कहा, ठजैसे-जैसे भारत अगले डेढ़ दशक में 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अपनी विकास यात्रा तेज कर रहा है, हमें उम्मीद है कि बड़ी वैश्विक और स्थानीय कंपनियां भारत में उभरेंगी। परंपरागत रूप से, निजी इक्विटी ने प्रमुख महानगरों पर ध्यान केंद्रित किया है। लेकिन हमारा मानना है कि मजबूत उद्यमशीलता की भावना, विकासोन्मुख राज्य सरकार और उचित जोखिम पूंजी के संयोजन से भारत और दुनिया भर में गुजरात में उच्च विकास वाली कंपनियों में उछाल आएगा। गुजरात की वास्तविक जीडीपी है इसी अवधि में 2014-2022 के बीच 10ङ की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच, भारत की जीडीपी वृद्धि उससे कहीं अधिक है।

मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में सफाई कर्मचारियों के सामाजिक एवं आर्थिक सुधार हेतु बैठक

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे के मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में श्रीमती अंजना पंवार उपाध्यक्षा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने सफाई कर्मचारियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक सुधार हेतु रेल सफाई कर्मचारियों, कॉन्ट्रेक्ट कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन, एसोसियशन एवं रेल अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें सफाई कर्मचारियों के वेतन, पीएफ, मेडिकल, यूनिफॉर्म आदि संबंधी विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार ने अपने सम्बोधन में कहा की सभी कर्मचारियों के पहचान पत्र में ब्लड ग्रुप सहित कर्मचारी पूर्ण जानकारी होनी चाहिए, सभी कर्मचारियों का पूर्ण एवं समय से वेतन मिले, पीएफ की कटोती हो, साल में मौसम के अनुसार यूनिफॉर्म मिले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा की एमएस एक्ट के अंतर्गत संसाधनों के बिना किसी भी सफाई कर्मचारी को सिविर लाइन आदि में नहीं उतारा जाना चाहिए। इस बैठक में मण्डल रेल प्रबंधक सुधीर कुमार शर्मा सहित मण्डल के सभी वरिष्ठ अधिकारी, रेल कॉन्ट्रेक्ट एवं नियमित सफाई कर्मचारी, ट्रेड यूनियन, एसोसियशन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

स्पाइसजेट विमान की करांची में आपात लैंडिंग

- अहमदाबाद से दुबई जा रहे विमान यात्री को आया था हार्टअटैक

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद से दुबई के जा रहे एक स्पाइसजेट विमान को कराची के जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैण्डिंग करानी पड़ी । सूत्रों ने बताया कि हृदयघात पीडित यात्री को चिकित्सा उपचार के ?लिए एसजी-15 को मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे कराची के जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थितियों में उतारा गया । नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) के एक प्रवक्ता ने बताया ?कि ''बोइंग 737 विमान अहमदाबाद से दुबई जा रहा था, तभी 27 वर्षीय यात्री धारवाल धर्मेश को संभवतः दिल का दौरा सीएए की मेडिकल टीम ने यात्री को आपात चिकित्सा सहायता दी। यात्री का शुगर लेवल गिर गया था और दिल की धड़कन असामान्य थीं। उपचार के बाद यात्री स्वस्थ हो गया है। विमान में ईंधन भर दिया गया है और अब वह दुबई के लिए उड़ान भरेगा। इससे पहले मंगलवार को नयी दिल्ली में एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा था कि अहमदाबाद से दुबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के विमान को कराची की ओर मोड़ दिया गया। प्रवक्ता ने कहा पांच दिसंबर 2023 को स्पाइसजेट बोइंग 737 विमान संचालन उड़ान एसजी-15 (अहमदाबाद-दुबई) को आपात चिकित्सा कारणों से कराची की ओर मोड़ा गया है।

इस पार्टी सीज़न प्लेटिनम इवारा चुनें और नए साल की शुरूआत करें ग्लैमरस अंदाज़ में

06, दिसम्बर, 2023: साल खत्म होने जा रहा है, यह जश्न, छुट्टियां और खुशियां मनाने का समय है। परिवार के साथ

गेट-टुगदर हो, दोस्तों के साथ लंच, शादी का जश्न, ऑफिस में क्रिसमस पार्टी या नए साल की पूर्व संध्या पर ग्लैमरस सेलेब्रेशन, इस समय आपको अपने प्रियजनों के साथ जश्न मनाने के ढेरों अवसर मिलते हैं। साथ ही यह समय आपके स्टाइल में निखार लाने का भी है। आप हर मौके के लिए परफेक्ट आउटफिट चुनते हैं, हर आउटफिट के साथ सही ज्वेलरी पहनते हैं, और नए साल के स्वागत में हर सेलेब्रेशन में सबसे ग्लैमरस दिखना चाहते हैं। इसी ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए प्लेटिनम इवारा के नए कलेक्शन के प्लेटिनम ज्वैलरी पीसेज़ आपको स्टाइलिश बनाने के लिए तैयार हैं, जो पार्टी के इस सीजन आपके चिक एन्सेम्बल्स को कम्पलीट करने में स्टाइलिश साथी की भूमिका निभाएंगे!

सितारों से बना प्लेटिनम धरती पर मौजूद सबसे दुर्लभ धातुओं में से एक है। अन्य धातुओं की तुलना में घना कीमती धातु कीमती रत्नों पर सुरक्षित पकड़ बनाता है, इसके खूबसूरत और अनूठे डिज़ाइन महिलाओं की खूबसूरती में चार- चांद लगा देते हैं। अन्य धातुओं के विपरीत समय बीतने के साथ, यह थ धातु अपनी सफेद चमक नहीं खोता, और इवारा महिलाओं की अदम्य भावना के अनुरूप है। प्लेटिनम की दुर्लभता और इसकी क्षमता इसे सबसे खास ओर आज की महिला के लिए परफेक्ट बनाती है।

अहमदाबाद मण्डल पर महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस 06 दिसंबर 2023 को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

माननीया उपाध्यक्षा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार श्रीमती अंजना पंवार एवं मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद, श्री सुधीर कुमार शर्मा ने मण्डल कार्यालय सभागार में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर मण्डल के रेल अधिकारियों, ट्रेड यूनियनों, ओबीसी एसोसिएशन और एससी/एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने एवं रेल कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। तथा रेल कर्मचारियों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जाति, धर्म, लिंग आदि भेदभाव को दूर करने में बाबा साहेब के संघर्ष को दर्शाया गया।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95